mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-36 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

06 फरवरी 2025 गुरुवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

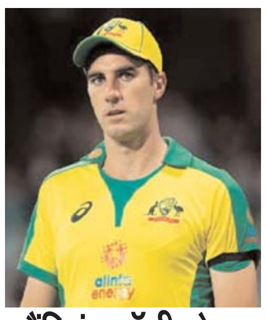

चैंपियंस ट्रॉफी से ... @ पेज 7

‘मां गंगा का आशीर्वाद पाकर शांति और संतोष मिला’

अयोध्या (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और कहा कि ‘‘मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मेरे मन को असीम शांति और संतोष मिला।’’ वैदिक

● प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई

मंत्रोच्चारण के बीच संगम में स्नान करते समय प्रधानमंत्री को पूरी बांह का केसरिया रंग का कुर्ता और नीले रंग का पायजामा पहने देखा गया। उन्होंने रुद्राक्ष की माला से जाप भी किया। उनके गले में भी रुद्राक्ष की एक माला थी। उन्होंने दूध से गंगा का अभिषेक किया और माला फूल चढ़ाकर आरती की। इसके बाद पुरोहितों ने प्रधानमंत्री के माथे पर चंदन का तिलक लगाया और उन्हें गंगा जल का आचमन कराया। संगम में स्नान के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे विधि विधान से पूजन-अर्चन किया। काले कुर्ते और केसरिया पटके एवं हिमांचली टोपी पहने प्रधानमंत्री मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच त्रिवेणी संगम में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद प्रधानमंत्री ने संगम स्थल पर तीनों नदियों की आरती की। प्रधानमंत्री ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘प्रयागराज महाकुंभ में आज पवित्र संगम में स्नान के बाद पूजा-अर्चना का परम सौभाग्य मिला। मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला है। उनसे समस्त देशवासियों की सुख-समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की। हर-हर गंगे!’’ प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में संगम में डुबकी लगाते, सूर्यदेव को अर्घ्य देते, गंगा को प्रणाम करते और रुद्राक्ष की माला जपते हुए अपनी तस्वीरें भी साझा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी ‘एक्स’ पर पोस्ट कर कहा, ‘‘भारत की एकता के महायज्ञ महाकुंभ 2025, प्रयागराज में आज आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने पवित्र त्रिवेणी संगम में पावन स्नान कर मां गंगा, मां यमुना, मां सरस्वती का शुभाशीष प्राप्त किया। हर हर गंगे।’’ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, ‘‘प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सुबह प्रयागराज हवाई अड्डे पहुंचे, जहां से वह ‘एमआई 17’ हेलीकॉप्टर में सवार होकर डीपीएस हेलीपैड उतरे। यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। यहां से प्रधानमंत्री अरैल घाट पहुंचे, जहां से विशेष नाव पर सवार होकर उन्होंने त्रिवेणी संगम का रुख किया।’’ इसमें कहा गया कि नाव पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे जिन्होंने इस दौरान उन्हें महाकुंभ में की गई व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाओं के विषय में जानकारी दी। नाव से भ्रमण के दौरान प्रधानमंत्री ने त्रिवेणी संगम में मौजूद श्रद्धालुओं का भी अभिवादन स्वीकार किया। अधिकारियों ने बताया, ‘‘प्रधानमंत्री के दौरे में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो।

संक्षिप्त समाचार

ईरान के साथ की परमाणु शांति समझौते की पेशकश

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ परमाणु शांति समझौता करने की पेशकश की है लेकिन साथ ही यह चेतावनी भी दी कि अगर ईरान नहीं मानता है, तो यह उसके लिए घातक साबित होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। आदेश के तहत अमेरिकी ट्रेजरी विभाग को निर्देश दिया गया है कि वह ईरान पर सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाए। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान

ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया था कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना उनकी पहली प्राथमिकता है। ईरान से संबंधित शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर करने के दौरान ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, ÷मैं ईरान से यह कहना चाहता हूं कि मैं एक बड़ा समझौता करना चाहता हूं। एक ऐसा समझौता जिससे वो अपनी जिंदगी आगे बढ़ा सकें।÷ ट्रंप ने साफ कहा कि ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता, अगर ऐसा होता है तो यह उसके लिए बहुत दुर्भाग्यशाली साबित होगा। बता दें कि, मई 2018 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने ईरान के साथ परमाणु समझौते को एकतरफा बताते हुए इससे अमेरिका को हटा लिया था। समझौते से बाहर होते ही ट्रंप ने ईरान पर अपनी दबाव की रणनीति तेज कर दी थी जिसमें कई मांगें शामिल थीं। इन मांगों में से अधिकतर परमाणु समझौते से संबंधित ही नहीं थी लेकिन इनका संबंध ईरान की क्षेत्रीय गतिविधियों से जरूर था।

गाजा पट्टी पर ट्रंप के दिए बयान का दिखने लगा असर

दुबई (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से गाजा पट्टी को लेकर जो कुछ कहा गया है उसके बाद इसे लेकर प्रतिक्रिया भी देखने को मिल रही है। गाजा पट्टी पर कब्जा करने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सुझाव पर मध्यपूर्व से रिएक्शन सामने आया है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने

बुधवार को बयान जारी करके कड़े शब्दों में कहा कि एक स्वतंत्र फलस्तीनी राष्ट्र का वह लंबे समय से आह्वान करता रहा है और उसका यह रुख ‘दृढ़ और अटूट’ है। बयान के मुताबिक, सऊदी अरब के ‘क्राउन प्रिंस’ मोहम्मद बिन सलमान (जो देश के वास्तविक शासक हैं) ने कहा है कि उनका देश पूर्वी यरुशलम को राजधानी बनाकर एक स्वतंत्र फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना की दिशा में अपने काम को नहीं रोकेगा और सऊदी अरब इसके बिना इजरायल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित नहीं करेगा। सऊदी अरब एक सुरक्षा समझौते और अन्य शर्तों के बदले इजरायल को राजनयिक रूप से मान्यता देने के समझौते पर अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है। गाजा को लेकर ट्रंप के बयान पर ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस का कहना है कि उनकी सरकार मध्य पूर्व में दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन करना जारी रखेगी जहां इजरायल और फलस्तीन के लोग शांति और सुरक्षा के साथ रह सकें। अल्बनीस ने कहा, ‘‘हमने युद्ध विराम का समर्थन किया है, हमने बंधकों को रिहा करने का समर्थन किया है और हमने गाजा में सहायता पहुंचाने का समर्थन किया है।’’

मिल्कीपुर उपचुनाव में धांधली का लगाया आरोप, अखिलेश यादव ने शेयर किया ऑडियो

मिल्कीपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मिल्कीपुर में उपचुनाव के मद्देनजर मतदान किया जा रहा है। इस बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने प्रशासनिक अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए एक ऑडियो को शेयर किया है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर ऑडियो शेयर करते हुए अखिलेश यादव ने लिखा, %ये है पीठासीन अधिकारियों की सच्चाई का स्टिंग ऑपरेशन जो सत्ताधारी के लिए फ़र्ज़ी मतदान का टार्गेट पूरा कर रहे हैं। इनके बूथों पर तुरंत चुनाव रद्द किया जाए और इन्हें प्रथमदृष्ट्या आडियो सबूतों के आधार पर निलंबित किया जाए और फिर उचित न्यायिक कार्रवाई के बाद बर्खास्त भी। अधिकारियों की चुनावी धांधली और हेराफेरी के ऐसे और भी वीडियो-आडियो आ रहे हैं। जब इनकी नौकरी जाएगी और समाज में बदनामी होगी शायद तब इनका ईमान और ज़मीर जागेगा। उन्होंने लिखा, %सरकार इनका इस्तेमाल करके अपना हाथ झाड़ लेगी, तब ये जेलों में होंगे और अपने समाज, परिवार और बच्चों की नज़र में अपमान की ज़िंदगी जीएंगे। हम उन सब ईमानदार और सच्चे अधिकारियों की प्रशंसा करते हैं, जिन्होंने भाजपा पार्टी ऑफ़िस से दिये गये ‘फ़र्ज़ी मतदान के टार्गेट’ को मानने से इनकार कर दिया है। सर्वोच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग लोकतंत्र के ऐसे दुश्मनों का तत्काल संज्ञान ले।% इससे पहले अखिलेश यादव ने प्रशासन पर मतदान को प्रभावित करने का आरोप लगाया था। बुधवार को आरोप लगाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस मिल्कीपुर में मतदाताओं के पहचान पत्र की जांच कर रही है।

अपने कर्मचारियों को वित्त मंत्रालय ने दिया आदेश

AI टूल्स या एप्स के इस्तेमाल पर सख्ती से करें परहेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने अपने कर्मचारियों को एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे अपने ऑफिस डिवाइसेज पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) टूल्स या‚ढ्ढ ऐप्स के इस्तेमाल से सख्ती से बचें। वित्त मंत्रालय की ओर से यह आदेश सुरक्षा और डेटा की गोपनीयता को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। दरअसल, अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दौर शुरू हो गया है। ये बहुत तेजी से दुनिया भर में पैर पसार रहा है। AI कंपनियों में सबसे पहला नाम OpenAI का आता है। OpenAI ने ChatGPT को तैयार किया, जो काफी लोकप्रिय आर्टिफीशियल इंटेलीजेजेंस सिस्टम बन चुका है।

वहीं, AI के क्षेत्र में चीन की नई तकनीकी क्रांति ने दुनिया में धमाल मचा दिया है, जिसका नाम DeepSeek-Vx है। नाम के हिसाब से इसका काम भी है। आंकड़ों और सूचनाओं की गहराई

में गोते लगाकर यह आपके सवालों का ठीक वैसे ही जवाब देता है जैसे OpenAI का ChatGPT देता है।

राहुल ने AI को लेकर चीन-अमेरिका का किया जिक्र: बीते दिनों सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण को लेकर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी AI जिक्र किया था। उन्होंने कहा था, ÷लोग AI के बारे में बात करते हैं, लेकिन यह समझना ज़रूरी है कि AI अपने आप में बिल्कुल निरर्थक है, क्योंकि AI डेटा के ऊपर काम करता है। बिना डेटा के AI का कोई मतलब नहीं है। अगर हम आज के डेटा को देखें, तो एक बात बिल्कुल साफ है। दुनिया के उत्पादन प्रणाली से निकलने वाला हर एक डेटा, जो इस फोन को बनाने के लिए इस्तेमाल होता है, जो इलेक्ट्रिक कारों को बनाने के लिए इस्तेमाल होता है, जो आज दुनिया के सभी इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने के लिए इस्तेमाल होता है, वह डेटा चीन के पास है और उपभोग डेटा अमेरिका के पास है। चीन के पास इस क्षेत्र में भारत से कम से कम 10 साल का लीड है।÷

एक ही कुएं में गिरे बाघ और जंगली सूअर

नागपुर (एजेंसी)। जंगली सूअर का शिकार का पीछा करते समय एक बाघ कुएं में गिर गया। दोनों एक ही कुएं में गिरे लेकिन जब बाघ को लगा कि उसकी जान खतरे में है तो उसने सूअर का शिकार करना भूल गया। वह सूअर के साथ कई घंटे कुएं में पड़ा रहा लेकिन उस सूअर का शिकार नहीं किया जिसकी वजह से वह कुएं में गिर गया था। जानकारी के अनुसार, पेंच टाइगर रिजर्व के बफर जोन में एक हैरतगंज घटना सामने आई है। एक बाघ और जंगली सूअर एक ही कुएं में गिरने की खबर फैलने से लोगों में चर्चा का विषय रहा। वन विभाग में बड़ी मशक्कत के बाद दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नागपुर और मध्य प्रदेश के बॉर्डर पर सिवनी में एक बाघ शिकार पर निकला था। जंगली सूअर को देखते ही बाघ ने उसका पीछा किया। शिकार का पीछा करते हुए बाघ और सूअर दोनों कुएं में गिर गए। सुबह गांव के लोगों ने खेत में बने हुए कुएं में जंगली जानवर को तैरता देखा तो वन विभाग को सूचना दी गई। इसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पानी में गिरे बाघ और जंगली सूअर को क्रेन और खाट की मदद से रेस्क्यू कर लिया गया।

मैच के लिए ऐसी दीवानगी? टिकट के लिए मची भगदड़, कई लोग हुए बेहोश

9 फरवरी को बाराबाती स्टेडियम, कटक में वनडे मैच होने वाला है

कटक (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच 9 फरवरी को बाराबाती स्टेडियम, कटक में वनडे मैच होने वाला है। उससे पहले मैच के टिकटों को खरीदने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बुधवार सुबह 9 बजे जैसे ही ऑफलाइन टिकटों की बिक्री शुरू हुई, स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। हजारों क्रिकेट प्रशंसक एक साथ टिकट लेने के लिए लाइन में लग गए। इस दौरान कई लोग बेहोश हो गए।

बेकाबू स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को अतिरिक्त कदम उठाने पड़े। भीड़ इतनी बढ़ गई थी कि पुलिस को वाटर गन का इस्तेमाल करना पड़ा। स्टेडियम के एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स की उचित व्यवस्था नहीं होने की वजह से यह हड़कंप मच गया। वहां जमा हुई भीड़ से असुविधा पैदा हुई, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ। घटना की सूचना मिलते ही डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने हालात पर नियंत्रण पाने के लिए कई प्लाटून फोर्स को अलर्ट पर रखा और भीड़ को शांत करने की कोशिश की। अधिकारियों ने प्रशंसकों से शांति बनाए रखने की अपील की और स्थिति को जल्द से जल्द सामान्य करने की कोशिश की।इस घटना के बाद प्रशासन ने स्थिति को गंभीरता से लिया और टिकट वितरण प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए जरूरी कदम उठाने की बात कही है, ताकि आगे ऐसी समस्याओं से बचा जा सके। अधिकारियों ने सभी क्रिकेट प्रेमियों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की।

मैनेजर ने किया चौकाने वाला खुलासा

5 करोड़ से 6 करोड़ पाने के लालच में बैंक मैनेजर ने निकाले पैसे

भंडारा (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में उस समय सनसनी मच गई जब बैंकिंग चैनल के करोड़ों रुपये के लेनदेन की कोशिश कर रहे एक गिरोह को पुलिस ने रंग हाथों पकड़ लिया। गुप्त सूचना के आधार पर भंडारा लोकल क्राइम ब्रांच की टीम ने मंगलवार देर रात को छापेमारी पर आरोपी के पास से पास 5 करोड़ रुपये नगद जब्त किए। इस दौरान पुलिस ने बैंक के मैनेजर समेत 9 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक करोड़ रुपये का कमीशन पाने के लिए उक्त रकम की बैंक से अनधिकृत रूप से निकासी की गई थी। बैंक के मैनेजर ने 5 करोड़ से 6 करोड़ पाने के लालच में ये काम किया। पूछताछ में बैंक मैनेजर गौरी शंकर बावनकुले ने चौंकाने वाले खुलासा किया। मैनेजर ने बताया कि उसने खुद लॉकर से पैसे निकालकर एक बैग में भरे और फिर उसे राजकमल प्रेस दुकान में ले गया। बैंक मैनेजर होने के बावजूद उसने सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया और बेनामी आरटीजीएस के जरिए इस रकम को बैंक में दिखाने की

योजना बनाई। लेकिन इस बीच पुलिस को जानकारी मिल गई जिससे मामले का पर्दाफाश हो गया। भंडारा पुलिस की क्राइम ब्रांच और आतंकवाद विरोधी दल ने गोपनीय जानकारी के आधार पर एक दुकान पर छापा मारा जहां 5 करोड़ की नगदी मिली। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि पैसों पर कमीशन देने वाले इस गिरोह के तार मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और दिल्ली तक फैले हुए हैं। बड़ी मात्रा में नगद होने के कारण पुलिस को रकम गिनने के लिए 3 घंटे का समय लग गया। नोट गिनने के लिए मशीन बुलाई गई। पुलिस द्वारा जब्त की गई रकम में बड़ी मात्रा में 100 और 500 के नोट शामिल हैं।

हिमाचल के पर्यटन स्थलों में बर्फबारी

मौसम विभाग ने आंधी-तूफान का येलो अलर्ट किया जारी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा हिमपात दर्ज किया गया, जबकि मौसम विभाग ने बुधवार को कुछ जिलों में आंधी और बिजली गिरने की आशंका व्यक्त करते हुए येलो अलर्ट जारी किया। शिमला, कुल्लू, किन्नौर, लाहौल और स्पीति तथा चंबा जिलों के कुछ स्थानों पर हिमपात हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, शिमला जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नारकंडा और कुफरी, चंबा के डलहौजी और कुल्लू जिले के मनाली और आसपास के इलाकों में हिमपात हुआ।

मंडी जिले के सेराज, पराशर, शिकारी और कमरूनाग से भी हिमपात की खबरें मिलीं। हिमपात से होटल व्यवसायियों को पर्यटकों की आमद बढ़ने की उम्मीद जगी। इससे लंबे समय से राज्य में सूखे की स्थिति को लेकर चिंतित बागवानों को भी राहत मिली। सेब की खेती के लिए बर्फ को फायदेमंद

माना जाता है। हालाँकि, शुष्कता को पूरी तरह से रोकने के लिए हिमपात अपर्याप्त था। मौसम विभाग के अनुसार, कोठी में 33 सेमी, गोंदला में 11 सेमी, केलांग में 9 सेमी, कुकुमसेरी में 8.3 सेमी, भरमौर में 8 सेमी, मनाली में 7.4 सेमी, जोत में 6 सेमी, कल्पा में 5. 1 सेमी और शिल्लारू तथा खद्राला में 5 सेमी हिमपात हुआ। शिमला शहर में ओलावृष्टि हुई, जबकि आसपास के जुब्बड़हट्टी और कुफरी में क्रमशः 8.3 सेमी और 4 सेमी बर्फ गिरी। राज्य में सबसे अधिक वर्षा सलोनी में 44.3 मिमी दर्ज की गई। इसके बाद कसोल में 30 मिमी, करसोग में 24.3 मिमी, भुंतर में 21.4 मिमी, जोगिंद्रनगर में 19 मिमी, बंजार में 18. 2 मिमी, शिमला में 16.2 मिमी और गोहर में 16 मिमी बारिश हुई। शिमला, जुब्बड़हट्टी, कांगड़ा, जोत, भुंतर, पालमपुर और सुंदरनगर में गरज के साथ वर्षा हुई। बिलासपुर और मंडी में हल्का कोहरा दर्ज किया गया। ताजा बर्फबारी के कारण कई स्थानों पर सड़कें फिसलन भरी हो गई हैं और लाहौल एवं स्पीति पुलिस ने यात्रियों को अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने बुधवार को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा और सोलन के कुछ हिस्सों में आंधी और बिजली गिरने के लिए %येलो% चेतावनी जारी की। इसके अलावा, विभाग ने बृहस्पतिवार और शुक्रवार को ऊना, बिलासपुर और मंडी के कुछ हिस्सों में घने कोहरे की चेतावनी दी। लाहौल और स्पीति के जनजातीय क्षेत्र में स्थित ताबो राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

संत तुकाराम महाराज के 11वें वंशज शिरीष मोरे ने लगा ली फांसी

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे के तीर्थनगरी देहू से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां संत तुकाराम महाराज के 11वें वंशज और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक शिरीष मोरे महाराज ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। 30 वर्षीय शिरीष महाराज ने आज सुबह अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। इस चौंकाने वाली घटना से शहर में सनसनी फैल गई है। इस घटना की जानकारी मिलते ही देहू रोड पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शिरीष मोरे महाराज के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि उन्होंने आत्महत्या क्यों की। बहरहाल, शिरीष महाराज की आत्महत्या के बाद तीर्थ गांव देहू पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। नागरिक अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। बता दें कि पुणे जिले में शिव विद्वान के रूप में शिरीष महाराज की बड़ी प्रतिष्ठा थी। वह शिव शम्भो फाउंडेशन के अध्यक्ष भी थे। कुछ दिन पहले ही उनकी सगाई हुई थी। घर में खुशी का माहौल था। उनकी शादी कुछ ही दिनों में होने वाली थी लेकिन इससे पहले ही उन्होंने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया है। पुलिस ने अनुमान लगाया है कि आत्महत्या के पीछे वित्तीय कठिनाइयां कारण हो सकती हैं। पुलिस के अनुमान के अनुसार, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने आत्महत्या की होगी। आत्महत्या करने से पहले उसने एक नोट भी लिखा था।

पक्षी अवलोकन एवं नेचर कैम्प का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड भोपाल के सहयोग से पक्षी अवलोकन एवं नेचर कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में वन, वन्य-प्राणियों एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता और संरक्षण की जानकारी साझा की गयी। कैम्प में शासकीय हाई स्कूल, नेहरू नगर, भोपाल के 29 छात्र-छात्राओं एवं एक शिक्षिका ने भाग लिया। नेचर कैम्प में छात्र-छात्राओं को पक्षी दर्शन, तितली, वन्य-जीव दर्शन स्थल पर विद्यमान गतिविधियों की जानकारी दी गयी। कैम्प में वन, वन्य-जीव और पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियाँ करायी गयीं। शिविर के दौरान छात्र-छात्राओं को बाघ, तेंदुआ, भालू, मगर, घड़ियाल, चीतल, सांभर, नीलगाय और सर्प इत्यादि वन्य-जीवों का अवलोकन भी कराया गया। छात्र-छात्राओं को पक्षी दर्शन में किंगफिशर, ओपन बिल स्टॉर्क, बुलीनेक स्टॉर्क कॉर्पोरेट, जकाना और कूट इत्यादि पक्षियों तथा नीडम क्षेत्र में कृत्रिम घोंसले और पक्षियों के पुतले भी दिखाये गये। कैम्प में स्त्रोत व्यक्ति के रूप में सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक श्री ए.के. खरे, वन विहार संचालक श्री मीना अवधेश कुमार शिव कुमार, सहायक संचालक वन विहार, श्री संदेश माहेश्वरी और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

आरडीएसएस के कार्यों की करें सतत् समीक्षा : ऊर्जा मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आरडीएसएस के कार्यों की अधिकारी सतत् समीक्षा करें। कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आरडीएसएस (रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम) के कार्यों का निरीक्षण किस अधिकारी ने कब किया, इसकी पूरी जानकारी दें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिहं तोमर ने यह निर्देश मंत्रालय में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी क्षेत्र में आरडीएसएस के तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान दिये। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि धीमी गति से कार्य करने वाले कॉन्ट्रेक्टर्स को नोटिस जारी करें। उन्होंने कहा कि पोल कलरिंग का कार्य भी टेंडर की शर्तों के अधीन करवायें। मंत्री श्री तोमर ने स्मार्ट मीटर की भी समीक्षा की। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि किस क्षेत्र में बिजली गुल रहेगी, उसका कारण सहित तथा विकास के कार्यों की जानकारी सोशल मीडिया में डालें। इससे आमजन को सुविधा होगी। बैठक में एमडी पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी श्री अनूप कुमार सिंह ने कम्पनी क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कार्य में लापरवाही के चलते दो कर्मचारी निलंबित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के दतिया शहर जोन में पदस्थ दो नियमित कर्मचारियों को कार्य में लापरवाही के चलते निलंबित किया गया है। जबकि, दतिया शहर जोन में ही कार्यरत एक आउटसोर्स कर्मी को कार्य के दौरान नशे की हालत में मिलने के कारण सेवा से पृथक करते हुए (ब्लैक-लिस्ट) किया गया है। उपमहाप्रबंधक दतिया ने बताया कि दतिया शहर जोन में पदस्थ लाइन परिचारक श्री रामस्नेही पाल और परीक्षण सहायक श्री नीरज कुमार प्रजापति को कार्य के दौरान लापरवाही बरतने के कारण निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में श्री रामस्नेही पाल का मुख्यालय, कार्यालय महाप्रबंधक वृत्त भिण्ड और श्री नीरज कुमार प्रजापति का मुख्यालय, कार्यालय महाप्रबंधक वृत्त श्योपुर होगा। इसी तरह दतिया शहर जोन में कार्यरत एक आउटसोर्स कर्मी श्री सूरज पाल को कार्य के दौरान नशे की हालत में पाए जाने की चिकित्सीय परीक्षण में पुष्टि होने पर उसे सेवा से पृथक करते हुए (ब्लैक-लिस्ट) कर दिया गया है।

किसानों के कल्याण के लिये कृत संकल्पित म.प्र. सरकार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार निरंतर किसानों के कल्याण के लिये कृत संपल्पित होकर कार्य कर रही है। सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ज्ञान (त्वङ्घ्ह) से ध्यान पर फोकस करते हुए 4 मिशन के क्रियान्वयन पर जोर दिया है। जल्द ही प्रदेश में किसान कल्याण के लिये मिशन भी प्रारंभ होने वाला है। वर्तमान में किसानों के कल्याण की विभिन्न योजनाएँ संचालित हो रही है। प्रदेश के कृषकों की सहायता के लिये मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना लागू की गई है। योजनांतर्गत कृषकों को आंशिक अपंगता के लिये 50 हजार रूपये की सहायता प्रदान की जाती है। स्थायी अपंगता पर एक लाख रूपये एवं मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये प्रदान किये जाते है। साथ ही अंत्येष्टि के लिये 4 हजार रूपये की सहायता दिये जाने का प्रावधान है। प्रदेश की कृषि उपज मण्डी समितियों में अनुज्ञप्तिधारी हम्माल एवं तुलावटियों के उत्थान के लिये यह योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रसूति व्यय एवं प्रसूति अवकाश सहायता, विवाह के लिये सहायता, प्रावीण्य छात्रवृत्ति सहायता, चिकित्सा सहायता, दुर्घटना में स्थायी अपंगता सहायता, मृत्यु सहायता, अंत्येष्टि सहायता, मण्डी प्रांगण में कार्य करते समय हुई दुर्घटना में सहायता आदि का समावेश किया गया है। प्रदेश की कृषि उपज मण्डी समितियों में कार्यरत अनुज्ञप्तिधारी हम्माल एवं तुलावटियों के सहायतार्थ मुख्यमंत्री कृषि उपज मण्डी हम्माल एवं तुलावटी वृद्धावस्था सहायता योजना-2015 लागू की गई। यह योजना उन हम्माल एवं तुलावटियों एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों पर प्रभावी होगी, जो मण्डी उपविधि के प्रावधान अनुसार मण्डी समिति में 18 से 55 वर्ष आयु के अनुज्ञप्तिधारी हम्माल एवं तुलावटी हैं।

बाबासाहेब के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर, उनके विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में करें आत्मसात्-मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लागू होने के बाद से ही, प्रदेश में शिक्षा में आमूलचूल और व्यापक परिवर्तन हो रहे हैं। मध्यप्रदेश नए संकल्प के साथ, भारत केंद्रित शिक्षा और भारतीय दर्शन से समृद्ध शिक्षा की ओर सतत् आगे बढ़ रहा है। शिक्षा में व्यापक परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में, राज्य सरकार ने सीएम राइज योजना के अंतर्गत विद्यालय स्थापित किए हैं। निर्धनता, अब शिक्षा अर्जित करने में बाधा नहीं बन सकेगी। निर्धन अभिभावक का दर्द समझकर ही सीएम राइज योजना अंतर्गत विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। सभी वर्ग के विद्यार्थी समान रूप से गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ शिक्षा अर्जित कर सकेंगे। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कही। मंत्री श्री परमार मंगलवार को शाजापुर जिले की शुजालपुर विधानसभा के गौलाना स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सीएम राइज विद्यालय में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री परमार ने गौलाना स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सीएम राइज विद्यालय में भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रदेश के प्रथम सीएम राइज विद्यालय के रूप में स्थापित होने के समय ही, हमने इस विद्यालय का नामकरण बाबा साहेब के नाम पर कर दिया था। श्री परमार ने कहा कि बाबा साहेब का संपूर्ण जीवन देश और समाज के लिए एवं सभी के लिए समान अधिकारों के लिए समर्पित रहा। इसके लिए उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम माना था। श्री परमार ने कहा कि बाबा साहेब सभी के लिए श्रद्धा का केंद्र हैं, सभी वर्ग के लोग उनका सम्मान करते हैं और उनके जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेते हैं। मंत्री श्री परमार ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर, उनके विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात् करें और उनकी तरह ही राष्ट्र निर्माण के लिए देशभक्त एवं ईमानदार नागरिक बनने की ओर आगे बढ़ें। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। श्री परमार ने कहा कि विद्यालय परिसर में महापुरुषों के लिए कथनों पर आपस में संवाद कर, उन्हें अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करें।

आनंदमय जीवन के गुर सीख रहे खाद्य विभाग में अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के 64 अधिकारी/कर्मचारी आनंदित जीवन के रहस्य सीखने के लिए 29 से 31 जनवरी तक एनआईटीटीटीआर भोपाल शामिल हुए। आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर्स ने जीवन का लेखा-जोखा, संपर्क सुधार, दिशा, रिश्तों की गहराई और पावर ऑफ साइलेंस जैसे प्रभावी टूल्स के माध्यम से सुखी और संतुलित जीवन जीने के गुर सिखाए। कार्यक्रम के समापन सत्र में संयुक्त नियंत्रक के.एस. चौहान, आनंद संस्थान के सीईओ आशीष कुमार, निदेशक प्रवीण गंगराड़े और सत्यप्रकाश आर्य उपस्थिति रहे। विशेषज्ञों की टीम, जिसमें डॉ. सुधीर आचार्य, हितेंद्र बुडोलिया, प्रेमांजलि त्रिवेदी, आशा असाटी, लखन लाल असाटी और प्रदीप महतो ने प्रतिभागियों को प्रेरणादायक और व्यावहारिक सीख जानकारी दी।

सिल्क टूरिज्म के रूप में विकसित होगा मढ़ई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि सिल्क टूरिज्म के विकास से रेशम का व्यापक प्रचार प्रसार होगा और लोग रेशम का उपयोग करने के लिए प्रेरित होंगे। रेशम को बढ़ावा देकर आम लोगों में रेशम के वस्?त्रों के प्रति रुझान बढ़ाया जाएगा। पर्यटन स्थलों पर आने वाले टूरिस्ट को भी रेशम वस्त्र की जानकारी दी जाएगी। उन्हें रेशम के वस्त्र खरीदने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

राज्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि नर्मदापुरम जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मढ़ई में स्थित रेशम उत्पादन केन्द्र को मॉडल सिल्क टूरिज्म स्पॉट के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने सोमवार 3 फरवरी को रेशम केंद्र का शुभारंभ एवं निरीक्षण कर सिल्क टूरिज्म के लिये विकास की सभी संभावनाओं का जायजा लिया और इसे सिल्क टूरिज्म के लिये एक अनुकूल स्थान पाया। राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि यहां शीघ्र ही सिल्क टूरिज्म प्रारंभ किया जाएगा। पर्यटकों की सुविधा के लिये जरूरी सुविधाओं और आवश्यकतानुसार विकास के कार्य कराये जायेंगे। उन्होंने मढ़ई रेशम उत्पादन केन्द्र के प्रांगण में पौध-रोपण भी किया।

राज्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि मढ़ई में जल्द ही सिल्क टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे। सिल्क को प्रमोट किया जाएगा। वर्तमान में जो कार्य चल रहे हैं वह भी बहुत ही बेहतर तरीके से चल रहे हैं, इसे और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने सिल्क टूरिज्म केंद्र की सराहना की।

रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिये कौशल उन्नयन को दें बढ़ावा-स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिये समाज के सभी वर्गों के बीच कौशल उन्नयन को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने आज की जरूरत के मुताबिक ट्रेडों पर कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण दिये जाने पर जोर दिया। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने मंत्रालय में अधिकारियों से चर्चा के दौरान यह बात कही।

मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के मध्य एमओयू किया गया। एमओयू के बाद प्रदेश में राष्ट्रीय मुक्त शिक्षा संस्थान से 93 प्रकार के कौशल उन्नयन के कोर्स किये जा सकेंगे। एमओयू पर संचालक श्री प्रभात राज तिवारी और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के सचिव श्री शकील अहमद द्वारा हस्ताक्षर किये गये। कौशल विकास के पाठ्यक्रम शुरू होने से जन-सामान्य और लाड़ली बहना लाभान्वित होंगी।

नई शिक्षा नीति-2020 में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास को मुख्य-धारा में लाने पर जोर दिया गया है। दोनों संस्थान प्रदेश के इच्छुक युवाओं को कम्प्यूटर और इंटरनेट प्लेटफार्म से भी व्यावसायिक शिक्षा का अवसर प्रदान करेंगे। प्रदेश में शैक्षिक पाठ्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा को कक्षा-6वीं से ही शामिल किया जायेगा। इसके बाद इन्हें उच्च शिक्षा से भी जोड़ा जायेगा। संस्थान के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि लाड़ली बहना से लाभान्वित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये उनकी रुचि के अनुसार प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था की जायेगी। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के देशभर में 23 क्षेत्रीय केन्द्र और 7 हजार से अधिक अध्ययन केन्द्र संचालित हो रहे हैं। शिक्षार्थियों को नामांकन करने, परीक्षा लेने और उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये जायेगे।

बिजली कंपनी के वॉट्स एप चैटबॉट से बिल डाउनलोड और भुगतान की सुविधा उपलब्ध

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वॉट्स एप चैटबॉट से बिल डाउनलोड एवं बिल भुगतान सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं। उपभोक्ता मोबाइल के माध्यम से बिजली बिल डाउनलोड एवं भुगतान सहित अन्य 10 सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने बताया कि चैटबॉट नंबर 0755-2551222 पर '।ह्वि' (हाय) लिखते ही 10 सुविधाओं की सूची आ जाएगी। घर का बिजली बिल भरने 2 नंबर पर 'फॉर बिल' का ऑप्शन दिखता है। मैसेज बॉक्स में 2 लिखते ही 1 नंबर 'फॉर व्यू एंड पे एलटी बिल' का ऑप्शन सहित तीन अन्य ऑप्शन भी दिखेंगें। बिल के लिए 1 नंबर लिखने पर दो ऑप्शन आएंगे। इसमें 1 नंबर पर 'टू यूज मोबाइल नंबर' और 2 नंबर पर 'फॉर इंटर कस्टूमर आईडी। इसमें आप अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर के लिए जैसे ही 'टू यूज मोबाइल नंबर' के लिए 1 नंबर लिखेंगे तो आपके कनेक्शन नंबर दिखेंगे। इसमें जिस नंबर का बिल आपको चाहिए वह नंबर जैसे ही लिखेंगे तो तुरंत मोबाइल पर बिल की पीडीएफ राशि सहित आ जाएगी।

इसी में 'व्यू एंड पे' तथा 'पे नाऊ' का ऑप्शन दिखेगा। यदि बिल देखना चाहते हैं तो 'व्यू एंड पे' को टच करेंगे। यदि राशि जमा करना है तो 'पे नाऊ' को टच करना होगा। जैसे ही आप 'पे नाऊ' को टच करेंगे तो भुगतान के विकल्प पूछे जाएंगे। इसमें पे ऑन वाट्सएप, गूगल पे, फोन पे, पेटीएम सहित अन्य यूपीआई एप्स के ऑप्शन दिखेंगे। यहां पर जिस विकल्प से आपको पेमेंट करना है उसे चयन कर 'कांटीन्यू' कर देंगे तो आपके वैलेट से पैमेंट की प्रक्रिया पूरी होगी और मोबाइल पर ही रसीद प्राप्त हो जाएगी।

महाकुम्भ में 'एकात्म धाम मंडपं' में साधना पंचकम् एवं मनीषा पंचकम् पर व्याख्यान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुम्भ में आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग द्वारा अद्वैत वेदान्त के लोकव्यापीकरण एवं सार्वभौमिक एकात्मता की संकल्पना के उद्देश्य से एकात्म धाम मंडपम् में वेदांत पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को चिन्मय मिशन कोयम्बटूर की प्रमुख स्वामी विमलानंद सरस्वती ने आचार्य शंकर विरचित प्रकरण ग्रंथ मनीषा पंचकम् एवं स्वामी मित्रानंद सरस्वती ने साधना पंचकम् पर अपने विचार व्यक्त किए। साधना पंचकम् के अंतिम सत्र में स्वामी मित्रानंद सरस्वती ने आदि शंकराचार्य के अंतिम उपदेशों को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि जब कोई कर्म कुशलतापूर्वक, ईश्वर को समर्पित करके व कर्म या फल से आसक्त हुए बिना सम्पादित किया जाता हैं, वह कर्म योग हैं। आत्म ज्ञान से समस्त प्रारब्ध व संचित कर्मों का विलय हो जाता हैं व उनके विलय से ही मोक्ष की प्राप्ति होती हैं। साधना पंचकम् की अंतिम साधना परब्रह्म में स्थित होकर उस स्थिति में स्थिर होना हैं, जो मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य हैं।

स्वामी विमलानंद ने मनीषा पंचकम् पर बोलते हुए कहा कि 'मनीषा' का अर्थ 'निश्चय' है। मनीषा पंचकम् में दो मुख्य बिंदुओं पर निश्चय होता है—गुरु कौन हैं और ज्ञान क्या है। उन्होंने कहा कि जिसे अद्वैत का सच्चा ज्ञान हो, वही गुरु कहलाने योग्य है।

जितनी ऊँची साधना और माँग होती है, उतने ही ऊँचे गुरु की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि हमें भगवान के साथ कोई संबंध जोड़ने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि वह संबंध पहले से है। हमें केवल उस संबंध को जानने और अनुभव करने की आवश्यकता है। किंतु, गुरु के साथ संबंध जोड़ना अनिवार्य है। उन्होंने माँ गंगा और त्रिवेणी संगम को पाप निवारक एवं मुक्ति दायक बताया, आदि शंकराचार्य के जीवन की प्रेरणादायक घटना का उल्लेख किया।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की इकाई नंबर तीन ने बनाया नया रिकार्ड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया (खंडवा) की 660 मेगावाट की इकाई नंबर 3 ने अपनी स्थापना के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दैनिक विद्युत उत्पादन का नया रिकार्ड बनाया है। इकाई नंबर 3 ने गत दिवस 158.3 लाख यूनिट विद्युत उत्पादन किया। इस दौरान यूनिट का प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) 99.94 फीसदी रहा। इससे पूर्व इस इकाई द्वारा 24 नवम्बर 2018 को 158.14 लाख यूनिट दैनिक विद्युत उत्पादन किया गया था।

यूनिट नंबर 3 ने कमीशनिंग के 6वें दिन ही दैनिक उत्पादन का रिकार्ड बनाया था। श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता 2520 मेगावाट है। यहां पहली एवं दूसरी इकाई 600-600 मेगावाट और तीसरी व चौथी इकाई 660-660 मेगावाट की हैं। दैनिक विद्युत उत्पादन का नया रिकार्ड बनाने वाली इकाई नंबर 3 की कमीशनिंग 18 नवम्बर 2018 को हुई थी। इस यूनिट ने अपनी कमीशनिंग के 6वें दिन 24 नवम्बर 2018 को 158.14 लाख यूनिट दैनिक बिजली उत्पादन किया था। जो अब तक का सर्वाधिक दैनिक विद्युत उत्पादन था। यह रिकार्ड गत दिवस 3 फरवरी को उस समय टूटा जब इस यूनिट ने एक दिन में 158.3 लाख यूनिट बिजली उत्पादन कर दिया।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह को डब्ल्यूसीएल, एसईसीएल और एनसीएल से कोयले की प्राप्ति होती है। विद्युत गृह में उत्पादित होने वाली विद्युत की निकासी 400 केवी एवं 220 केवी पीथमपुर और छैगांव पारेषण लाइनों से होती है।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह के यूनिट नंबर 3 के अभियंताओं और कार्मिकों को नया दैनिक विद्युत उत्पादन का रिकार्ड कायम करने के लिए ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई एवं कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने बधाई दी।

अवैध रेत माफिया पर कार्रवाई, बिना परमिट रेत ले जा रहे ट्रैक्टर-ट्राली जब्त, कीमत 5 लाख से अधिक

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली पुलिस ने अवैध रेत परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। जब्त की गई रेत और वाहन की कुल कीमत लगभग 5 लाख 4 हजार रुपए आंकी गई है।

सरई थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदौरिया के अनुसार, पुलिस को गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि झुन्डीहबा नाला से एक लाल रंग का ट्रैक्टर अवैध रूप से खनन की गई रेत को ले जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन को रोका।

चालक ने अपनी पहचान पुष्पराज सिंह (27 वर्ष) के रूप में बताई। जब पुलिस ने रेत परिवहन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज मांगे तो चालक उन्हें प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर थाने ले जाया और आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

रेत से भरा ट्रैक्टर जब्त, ड्राइवर-मालिक पर केस दर्ज

नदी से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर रहे, ब्यौहारी पुलिस ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल की ब्यौहारी पुलिस ने अवैध रेत परिवहन करते बुधवार को एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। बुधवार को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने हिडवाह गांव के पंचायत भवन के पास से रेत से लदे ट्रैक्टर (नंबर एमपी 24ए 8128) को पकड़ा। जब पुलिस ने ड्राइवर से रेत परिवहन के वैध दस्तावेज मांगे, तो वह कोई कागजात पेश नहीं कर सका। इस पर पुलिस ने तत्काल ट्रैक्टर को जब्त कर लिया

खनिज अधिनियम के तहत दर्ज किया मामला: जांच में सामने आया कि आरोपी नदी से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर रहे थे। पुलिस ने इस मामले में ट्रैक्टर के मालिक सत्यनारायण गुप्ता और ब्रज किशोर गुप्ता के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

उप निरीक्षक कपिलकांत तिवारी ने बताया कि क्षेत्र में रेत का अवैध खनन और परिवहन लगातार जारी है। आए दिन ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिस पर पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है।

चुरहट थाना प्रभारी को हटाने की मांग

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। चुरहट तहसील में पूर्व राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह ने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन बुधवार शाम 5 बजे तहसील कार्यालय के सामने किया गया।

मामला 31 जनवरी का है, जब पीएचई विभाग में कार्यरत गणपत पटेल के विदाई समारोह के दौरान थाना प्रभारी ने कथित तौर पर गणपत पटेल के बेटों के साथ मारपीट की और उन्हें जबरन जेल भेज दिया। इस घटना ने स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

धरने के दौरान पूर्व सांसद ने राज्य सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि पुलिस का काम जनता की सुरक्षा करना है, न कि उन पर अत्याचार करना। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने थाना प्रभारी के निलंबन की मांग की और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

हालांकि अभी तक प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन इस विरोध प्रदर्शन के बाद स्थानीय प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव बढ़ गया है। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग तेज हो गई है।

जेके सीमेंट प्लांट हादसे में तीन अधिकारी गिरफ्तार

प्रोजेक्ट हेड, सिविल इंजीनियर और सेफ्टी इंचार्ज को भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना स्थित जेके सीमेंट प्लांट की निर्माणाधीन दूसरी यूनिट में 30 दिसंबर को हुए हादसे में चार मजदूरों की मौत और 15 अन्य घायल हो गए थे। जांच के बाद पुलिस ने मंगलवार शाम को मुंबई की ठेका कंपनी स्वास्तिक के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार अधिकारियों में प्रोजेक्ट हेड सोनू कुमार पांडेय (ओडिशा), सिविल इंजीनियर ललित कुमार सिंह (बिहार), और सेफ्टी इंचार्ज शिवम कुमार पांडेय (बिहार) शामिल हैं। इन पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

घटना के पांच दिन बाद मृतक रोहित खरे के परिजनों को जेके सीमेंट प्लांट प्रबंधन की ओर से 18 लाख रुपए का चेक उनके पिता को दिया गया है। इसके अलावा, अंत्येष्टि के लिए 50 हजार की आर्थिक सहायता राशि भी दी गई है। बांकी तीन को भी जल्द सहायता राशि देने की बात कही गई।

हादसे की जांच और लापरवाही का खुलासा: जांच में सामने आया है कि निर्माणाधीन यूनिट की स्लैब डालते समय भार के आकलन में लापरवाही बरती गई। सागर कमिश्नर और डीआईजी के निर्देश पर गठित विशेष जांच टीम में अपर कलेक्टर पन्ना, एडिशनल एसपी पन्ना, मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी सागर, औद्योगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा इंदौर के प्रभारी संचालक सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। 145 मीटर ऊंची बिल्डिंग की सातवीं मंजिल तक जांच टीम अभी नहीं पहुंच पाई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच जारी है और आगे और भी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

घायल 13 मजदूरों की अस्पताल से छुट्टी: जानकारी के अनुसार हादसे में घायल 19 लोगों को कटनी अस्पताल व एक मजदूर को जबलपुर रेफर किया गया था। कटनी में भर्ती घायलों में से 13 को अस्पताल से छुट्?टी दे दी गई है। इनमें चंद्रपाल सिंह (27), प्रेमचंद (30) मिंटूशाह (40), जहरुल (32), मोहम्मद सालम (31), रूपेश कुमार (21), कंछेदी कुशवाहा (29), मोहम्मद इशाक (28), तौकीर (18), रामबृज महतो (45), तहमीर (28), एमडी नूरशिद (29), शेख शकूर (40) शामिल हैं।

जानिए पूरा मामला: 30 दिसंबर की सुबह 9:30 बजे निर्माणाधीन बिल्डिंग की सातवीं मंजिल से मलबा गिरने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि छत पर ढलाई का काम चल रहा था। अचानक शटरिंग गिरने लगी, जिससे छत पर काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए।

प्लांट की दूसरी यूनिट के निर्माण के दौरान सुबह करीब 10 बजे छत की स्लैब का बड़ा हिस्सा शटरिंग सहित टूटकर गिर गया। राहत और बचाव कार्य के लिए पन्ना समेत कटनी, दमोह और छतरपुर से एसडीआरएफ की टीमों को बुलाया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान मलबे से घायलों और मृतकों को निकाला गया।

मृतकों और घायलों की पहचान: इस हादसे में मारे गए मजदूरों में अंसार आलम (34 वर्ष), मसूद (36 वर्ष), मुश्फिक (पूर्णिया, बिहार), और रोहित खरे (32 वर्ष, सिमरिया, पन्ना) शामिल हैं। घायलों में मिट्ठू साहू, शाहनवाज खान, बद्दू नामदेव, मोहम्मद तौकीर, शाह आलम, कंछेदी कुशवाहा, साहिल रजा, इंद्रपाल सिंह, नुरसद आलम, शेख सकूर, तहमीद मोहम्मद, और प्रेमचंद्र राजभर शामिल हैं।

प्लांट में पहले भी हो चुके हैं हादसे: जेके सीमेंट प्लांट की पहली यूनिट 2022 के अंत में शुरू हुई थी। इसके बाद से फैक्ट्री के अंदर कई हादसे हो चुके हैं।

किसान ने कलेक्टर से की नपा और भू-माफिया की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के सौरा गांव के एक किसान ने बुधवार को कलेक्टर और एसडीएम को शिकायती पत्र सौंपा। उन्होंने नगर पालिका कर्मचारियों और भू-माफिया पर फसल को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है।

किसान घनश्याम पटेल ने बताया कि मंगलवार शाम भू-माफिया ने नगर पालिका कर्मचारियों की मदद से जेसीबी से फसल की सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की जाली तोड़ दी। घनश्याम की जमीन में गेहूं की फसल लगी है।

तत्काल जांच का दिया आश्वासन: किसान के बेटे विनोद ने बताया कि भू-माफिया पैतृक जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पड़ोस में श्रीवास की जमीन पर बिना अनुमति अवैध प्लाटिंग कर प्लॉट बेचे गए हैं। एसडीएम अखिल राठौर ने पटवारी से तत्काल जांच कराने का आश्वासन दिया है। नगर पालिका सीएमओ माधुरी शर्मा से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन व्यस्त रहा।

अनूपपुर की रामनगर पुलिस ने 7 जुआरी पकड़े

80 हजार से ज्यादा कैश और तीन बाइक जब्त, सभी आरोपी शहडोल-कोतमा से

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। रामनगर पुलिस ने मंगलवार रात जुए के अड्डे पर छापेमारी कर सात लोगों को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने आरोपियों से 81,140 रुपए की नकदी, तीन बाइक और छह मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त की गई सामग्री की कुल कीमत 2,11,140 रुपए है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम टांकी के लोहरान तालाब के नीचे कोड़ा रोड के जंगल में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया।

पकड़े गए आरोपियों में बरिंद्र मिश्रा (38), राजेश यादव (30), राजेश शुक्ला (40), संजीव उपाध्याय (30), इंद्रजीत जयसवाल (35), रजीव राय (38) और कमलेश गुप्ता (39) शामिल हैं। ये सभी शहडोल और कोतमा क्षेत्र के इलाकों के रहने वाले हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ थाना रामनगर में जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत अपराध क्रमांक 32/25 दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

स्कूल से ऐब्सेंट, रजिस्टर में प्रेजेंट, टीचर-प्रिंसिपल को नोटिस

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के धनपुरी बाजार स्थित सरकारी प्राइमरी स्कूल में लापरवाही का मामला सामने आया है। जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) अमरनाथ सिंह के निरीक्षण में पता चला कि स्कूल में पदस्थ शिक्षक विनोद कुमार द्विवेदी ऐब्सेंट रहने के बावजूद हाजिरी रजिस्टर में खुद को प्रेजेंट दर्ज कर रहे थे।

यह गंभीर अनियमितता स्कूल निरीक्षण के दौरान डीपीसी के संज्ञान में आई। जांच में पाया गया कि शिक्षक न केवल बिना किसी पूर्व सूचना के स्कूल से अनुपस्थित रहते थे, बल्कि हाजिरी रजिस्टर में भी गलत एंट्री कर रहे थे। इस गंभीर कदाचार को देखते हुए डीपीसी ने न केवल संबंधित शिक्षक को, बल्कि स्कूल की प्रधानाचार्य को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

लोन के नाम पर महिलाओं से ठगी

माइक्रो फाइनेंस कंपनी के डायरेक्टर समेत 2 आरोपी गिरफ्तार, तीन लाख की संपत्ति जब्त

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर पुलिस ने बुधवार को लोन के नाम पर महिलाओं से धोखाधड़ी करने वाले माइक्रो फाइनेंस कंपनी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस्कॉन माइक्रो फाइनेंस कंपनी के डायरेक्टर विजय कुमार सोनोने और सदस्य जयप्रकाश पाटीदार ने महिला स्व-सहायता समूहों को कम ब्याज दर पर लोन देने का झांसा देकर उनसे पैसे ऐंठे।

सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे के अनुसार, आरोपी छतरपुर के सागर रोड स्थित कार्यालय से अपना कारोबार चला रहे थे। वे महिला समूहों को मात्र एक प्रतिशत ब्याज दर पर लोन देने का लालच देते थे। पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

1 लाख 51 हजार नकद बरामद: पुलिस ने आरोपियों के पास से 1 लाख 51 हजार रुपए नकद, धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए गए पैम्फलेट, रसीद बुक, खाली और भरे हुए फॉर्म, कंप्यूटर सिस्टम, तीन मोबाइल फोन और रजिस्टर बरामद किए हैं। कुल बरामदगी की कीमत लगभग 3 लाख रुपए है। पूछताछ में पता चला कि आरोपियों का टारगेट छतरपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों की घरेलू महिलाएं थीं। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है और मामले की जांच जारी है।

जुआ खेलते 4 लोग गिरफ्तार

बुढार थाना पुलिस ने 5 हजार रुपए, बाइक और मोबाइल किया जब्त

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शडहोल जिले के बुढार थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में चल रहे जुआ अड्डे पर देर रात पुलिस ने छापेमारी कर चार जुआरियों को गिरफ्तार किया है। स्थानीय लोगों की सूचना पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने आरोपियों से कुल 87 हजार 200 रुपए का माल जब्त किया है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गोपालपुर में कुछ लोग ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर चारों आरोपियों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों में बरतरा खैरहा निवासी 29 आशीष कुमार शर्मा (29) निवासी बरतरा खैरहा , दीप नारायण गर्ग (40) निवासी बरतरा, नीलेश कचेर (32) निवासी करकटी और रवि शंकर मिश्रा उर्फ गोलू निवासी गोपालपुर बुढार शामिल हैं।

52 ताश के पत्ते जब्त: पुलिस ने आरोपियों से 52 ताश के पत्ते, 5,200 रुपए नगद, दो बाइक और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत 87 हजार 200 रुपए आंकी गई है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

तेज रफ्तार बाइक खाई में गिरी

17 साल के युवक की मौत, दोस्त की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले में एक एक तेज रफ्तार बाइक खाई में गिर गई। यह हादसा पन्ना-अमानगंज सड़क मार्ग पर बराछ मोड़ के पास हुआ। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल है।

शॉपिंग के लिए पन्ना जा रहे थे युवक: मृतक की पहचान पडेरी निवासी छूटुआ चौधरी (17) के रूप में हुई है, जो अपने दोस्त अमन वर्मन (18) के साथ बाइक पर पन्ना शॉपिंग के लिए जा रहा था। बराछ मोड़ पर बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और खाई में गिर गई। हादसे में छूटुआ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गुनौर निवासी अमन वर्मन गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल अमन को 108 एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पन्ना में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्कूल के टॉपर को मिलेगी स्कूटी

सीधी जिले के 196 विद्यार्थियों, 94 बालक और 102 बालिकाओं के मिलेगी उनके पसंद की स्कूटी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में संचालित समस्त शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में गत वर्ष 2023- 24 में कक्षा 12वीं में प्रथम स्थान पाने वाली बालिकाओं एवं बालकों को निःशुल्क स्कूटी प्रदाय की जाएगी। इस योजना अंतर्गत ऐसे छात्र-छात्राएं पात्र हैं जो प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित शासकीय हायर सेकेंडरी शाला में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययन कर माध्यमिक शिक्षा मंडल की हायर सेकेंडरी कक्षा 12वीं में किसी भी संकाय में समस्त संकाय को सम्मिलित कर अपनी शाला में नियमित परीक्षार्थी के रूप में प्रथम प्रयास में टॉप किया हो। इस मापदंड को पूर्ति करने वाले विद्यार्थियों को स्कूटी हेतु शासन द्वारा राशि प्रदाय की जाएगी। सीधी जिले के 196 विद्यार्थियों जिसमें 94 बालक और 102 बालिकाओं के उनके पसंद की स्कूटी मिलेगी।

विद्यार्थियों को जमा करना होगा कोटेशन: अपने पसंद की स्कूटी क्रय करने के लिए विद्यार्थियों को जीएसटी पंजीकृत, टेन नंबर प्राप्त, परिवहन विभाग से पंजीकृत डीलर से निर्धारित स्पेसिफिकेशन का कोटेशन प्राप्त कर प्राचार्य को उपलब्ध कराना होगा। प्राचार्य द्वारा विद्यार्थी का कोटेशन, विद्यार्थी का बैंक पासबुक, आधार नंबर और 12वीं की अंक सूची की प्रमाणित प्रति के साथ जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करना होगा।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ पी एल मिश्रा ने इस संबंध में समस्त शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य को पत्र लिख कर निर्देशित किया है कि यह कार्यवाही समय सीमा में सुनिश्चित करें।

ट्रैक्टर के साथ किसानों ने निकाली रैली

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना में बुधवार को भारतीय किसान यूनियन के बैनर किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकाली। किसानों ने विधानसभा चुनाव से पहले सरकार के किए गए वादों को पूरा न करने के विरोध में यह आक्रोश रैली निकाली। प्रदर्शनकारी किसानों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसानों ने बताया कि 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने गेहूं 2700 रुपए प्रति क्विंटल और धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल खरीदने का वादा किया था। साथ ही, 25 हजार रुपए में कृषि कार्य के लिए निजी ट्रांसफॉर्मर देने की बात कही थी। डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी यह वादे पूरे नहीं हुए हैं।

किसान बोले- हमें डिफाल्टर घोषित किया जा रहा: किसानों ने 2018 में कांग्रेस सरकार की ओर से की गई कर्ज माफी का भी मुद्दा उठाया। उनका कहना है कि सत्ता परिवर्तन के बाद बैंक जबरन वसूली कर रहे हैं और किसानों को डिफाल्टर घोषित किया जा रहा है।

लीनस लब द्वारा टीबी मरीजों को पोषण आहार वितरित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला क्षय अधिकारी डॉ हिमेश पाठक ने बताया कि लीनस क्लब कामाख्या द्वारा जिला क्षय केंद्र सीधी में 10 टीबी मरीजों को निश्चय मित्र बनकर पोषण आहार वितरित किया गया। कार्यक्रम में डॉ सुनीता तिवारी, डॉ बीना मिश्रा, डॉ रंजना मिश्रा, अंजू शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

विचार

जागरूकता से ही होगा कैंसर रोग पर नियंत्रण

कैंसर बीमारियों का एक जटिल समूह है जिसकी विशेषता असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि और प्रसार है । इसमें 100 से अधिक विभिन्न रोग शामिल हैं जो शरीर के विभिन्न अंगों को प्रभावित करते है। ये कोशिकाएं ट्यूमर नामक द्रव्यमान का निर्माण कर सकती हैं। जो शरीर के सामान्य कामकाज में हस्तक्षेप कर सकती हैं। जबकि कैंसर किसी को भी प्रभावित कर सकता है। इन्हें कार्सिनोमा, सारकोमा, ल्यूकेमिया और लिम्फोमा जैसे प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है। इसके कारणों में आनुवंशिक, पर्यावरणीय और जीवनशैली कारक शामिल हैं, जिनमें अस्पष्टीकृत वजन घटाने से लेकर लगातार थकान तक के लक्षण शामिल हैं। कैंसर की रोकथाम में जीवनशैली में बदलाव जैसे कि तंबाकू से परहेज, स्वस्थ आहार और टीकाकरण शामिल हैं। प्रभावी प्रबंधन और शुरुआती पहचान के लिए जागरूकता और ज्ञान महत्वपूर्ण है। कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करने के लिए 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस का जन्म 4 फरवरी 2000 को पेरिस में न्यू मिलेनियम के लिए कैंसर के खिलाफ विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था। विश्व कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर और बीमारी के कारण होने वाली मौतों को कम करना है। 1933 में अंतर्राष्टीय कैंसर नियंत्रण संघ ने स्विट्जरलैंड में जिनेवा में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया था। कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही घबराहट होने लगती है। कैंसर से पीड़ित व्यक्ति बीमारी से अधिक तो कैंसर के नाम से डर जाता है। जिस व्यक्ति को कैंसर होता है वह तो गंभीर यातना से गुजरता ही है उसके साथ ही उसका परिवार को भी बहुत कष्टमय स्थिति में गुजरना पड़ता है। जानलेवा होने के साथ ही कैंसर की बीमारी में मरीज को बहुत अधिक शारीरिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। कैंसर की बीमारी इतनी भयावह होती है जिसमें मरीज की मौत सुनिश्चित मानी जाती है। बीमारी की पीड़ा व मौत के डर से मैरिज घुट-घुट कर मरता है। इस दिन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने, लोगों को शिक्षित करने, इस रोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को समझाने तथा हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाने के लिए मनाया जाता है।

भारत में आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के हो रहे हैं प्रयास

प्रह्लाद सबनानी

विश्व के कुछ देशों में सत्ता परिवर्तन के बाद आर्थिक क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हुए दिखाई दे रहे हैं। विशेष रूप से अमेरिका में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रप विभिन्न देशों को लगातार धमकी दे रहे हैं कि वे इन देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर कर की दर में वृद्धि कर देंगे। दिनांक 4 फरवरी 2025 से कनाडा एवं मेसिको से अमेरिका में होने वाले उत्पादों के आयात पर 20 प्रतिशत एवं चीन से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत का आयात कर लगा दिया है। वैश्विक स्तर पर उक्त प्रकार की उथल पुथल के अतिरिक्त रूस यूक्रेन युद्ध जारी ही है एवं कुछ समय पूर्व तक हमास इजराईल युद्ध भी चलता ही रहा था।

वैश्विक स्तर पर उक्त विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारत, अपनी आर्थिक विकास दर को कायम रखते हुए, विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हां, वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम दो तिमाहियों में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत एवं 5.3 प्रतिशत क्रमशः के आसपास रही है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो आगे आने वाले दो दशकों तक आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर रखना आवश्यक होगा। अतः केंद्र सरकार द्वारा भारत की आर्थिक विकास दर को इस वित्तीय वर्ष की दो तिमाहियों में दर्ज की गई लगभग 5.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अभी हाल ही में केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने लोक सभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश किया है। इस बजट के माध्यम से ऐसे कई निर्णय लिए गए हैं जिससे देश की आर्थिक विकास दर पुनः एक बार 8 प्रतिशत से ऊपर निकल जाए। दरअसल, आज देश में उत्पादों की मांग को बढ़ाना अति आवश्यक है जो पिछले कुछ समय से लगातार कम होती दिखाई दे रही है। इसके लिए आम नागरिकों के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध रहे, ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे, आयकर की सीमा को वर्तमान में लागू सीमा 7 लाख रुपए प्रतिवर्ष से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 12 लाख रुपए प्रतिवर्ष कर दिया गया है। साथ ही, आय पर लगने वाले कर की दर को भी बहुत कम कर दिया गया है। इस प्रकार लगभग 1 करोड़ मध्यमवर्गीय करदाताओं को लगभग 1.10 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष का अधिकतम लाभ होने जा रहा है। इस राशि से विभिन्न उत्पादों का उपभोग बढ़ेगा एवं देश की आर्थिक विकास दर में तेजी दिखाई देगी। हालांकि इससे केंद्र सरकार के बजट पर एक लाख करोड़ रुपए का भार पड़ेगा। परंतु, फिर भी बजटीय घाटा वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5.8 प्रतिशत से घटकर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। अतः देश की वित्तीय स्थिति को सही दिशा दिए जाने के सफल प्रयास हो रहे हैं।

विनिर्माण के क्षेत्र को गति देना भी आज की आवश्यकता है। राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन भी चलाए जाने का प्रस्ताव है। आज देश में एक करोड़ से अधिक सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्योग हैं जो 7.5 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कर रहे हैं एवं भारत के कुल उत्पादन में 36 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं तथा देश से होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात में भी 45 प्रतिशत की भागीदारी इन उद्योगों की रहती हैं। कुल मिलाकर भारत आज अपनी इन कम्पनियों को वैश्विक स्तर पर ले जाना चाहता है। भारत में आज निर्यात प्रोत्साहन मिशन को चालू किया जा रहा है ताकि भारत की कम्पनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले। इसी प्रकार भारत को वैश्विक स्तर पर खिलौना उत्पादन के केंद्र के रूप में विकसित किये जाने के प्रयास भी किये जा रहे हैं। केवल एक दशक पूर्व भारत में खिलौनों का शुद्ध आयात होता था आज भारत खिलौनों का शुद्ध निर्यातक देश बन गया है। पिछले 10 वर्षों में भारत में खिलौनों के निर्यात में 200 प्रतिशत की वृद्धि एवं खिलौनों के आयात में 52 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। भारत ने 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि के खिलौनों का निर्यात किया है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन क्षेत्र का योगदान लगभग 5 प्रतिशत है। विशेष रूप से वाराणसी, श्री अयोध्या धाम, उज्जैन एवं महाकुम्भ, प्रयागराज में पर्यटकों के लिए विकसित की गई आधारभूत सुविधाओं के बाद इन सभी शहरों की पहचान धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में पूरे विश्व में कायम हुई है। आज आध्यात्म की ओर पूरा विश्व ही आकर्षित हो रहा है अतः भारत में अन्य धार्मिक केंद्रों को भी इसी तर्ज पर विकसित किया जाना चाहिए जिससे विभिन्न देशों के नागरिक भी इन धार्मिक स्थलों पर आ सकें एवं जिससे देश के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 2,541 करोड़ रुपए की राशि का आबंटन किया गया है जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 850 करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई थी। भारतीय पर्यटन उद्योग का आकार 25,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, जो कि बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तर पूर्व के राज्यों से लेकर जम्मू एवं कश्मीर तक 50 नए पर्यटन केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। यह ऐसे पुराने पर्यटन केंद्र हैं जिनकी पहचान कहीं खो गई है। अब इन पर्यटन केंद्रों पर आधारभूत सुविधाओं को विकसित किये जाने की योजना बनाई जा रही है। इन केंद्रो पर पहुंच को आसान बनाने के उद्देश्य से यातायात के साधनों का विकास किया जाएगा, सर्वसुविधा सम्पन्न होटलों का निर्माण किया जाएगा, एवं इन स्थलों पर अन्य प्रकार की समस्त सुविधाएं पर्यटकों को उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, भारत में मेडिकल पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा सकता है क्योंकि विकसित देशों की तुलना में भारत में विभिन्न बीमारियों का उच्चस्तरीय इलाज बहुत ही सस्ते दामों पर उपलब्ध है। और फिर, भारतीय नागरिकों के डीएनए में ही सेवा भावना भरी हुई है, अतः इन देशों के नागरिकों को भारत में इलाज कराने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर मेडिकल पर्यटन का आकार 13,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। अतः भारत में मेडिकल पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए जा सकते हैं। इसी प्रकार भारत में सुरक्षा के क्षेत्र में भी अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत अभी तक अपनी सुरक्षा सम्बंधी आवश्यकताओं के लिए सुरक्षा उपकरणों का बड़ी मात्रा में आयात करता रहा है। परंतु, पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान का स्पष्ट असर अब दिखाई देने लगा है और भारत आज मिसाईल सहित कई सुरक्षा उपकरणों का निर्यात करने लगा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार के बजट में सुरक्षा क्षेत्र के लिए 4.92 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि का आबंटन किया गया है, साथ ही, पूंजीगत खर्चों में भी सुरक्षा क्षेत्र के लिए 2 लाख करोड़ रुपए के बजट का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार, देश में अधोसंरचना को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पूंजीगत खर्चों को भी 11.20 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर रखा गया है। साथ ही, सरकारी उपक्रमों एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियां भी अपने पूंजी निवेश को बढ़ाने का प्रयास यदि करती हैं एवं विदेशी कम्पनियों द्वारा किए जाने वाले विदेशी निवेश को मिलाकर पूंजीगत मदों पर खर्चे को 15 लाख करोड़ रुपए की राशि तक ले जाया जा सकता है। इसके लिए देश में ईज आफ डूइंग बिजनेस को अधिक आसान बनाना होगा एवं पुराने कानूनों को हटाकर उद्योग मित्र कानून बनाए जाने की आवश्यकता है।

अमेरिका-चीन में पुनः शुरू हुए व्यापार युद्ध का कारोबारी लाभ आखिर कैसे उठाएगा भारत?

कमलेश पांडे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हम भारतीयों के मनोमस्तिष्क में इसलिए हमेशा बसे रहते हैं कि उन्होंने आपदा को अवसर में बदलने का हुनर दिखलाया-सिखलाया-बतलाया है। इस हेतु राष्ट्रीय जज्बे को जिस शानदार-जानदार तरीके से उन्होंने प्रदर्शित किया-करवाया है, उसने हम सबको उनका मुरीद बना दिया है। वैश्विक महामारी कोरोना के पहले, कोविड-19 के दौरान और उसके बाद भी उन्होंने दुनियावी त्रासदी/पारस्परिक संघर्षों-संकटों को जितना सकारात्मक तरीके से लिया है, उससे भारत पुनः विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर है। उनके नेतृत्व में भारत अब याचक कम, दाता ज्यादा नजर आता है।

यही वजह है कि समावेशी व्यापार प्रचलन स्थापित-संचालित-नियंत्रित करने में विश्व व्यापार संगठन यानी डब्ल्यूटीओ की विफलता के बाद दुनिया के देशों में मचे व्यापार युद्ध मतलब टैरिफ वॉर से उतपन्न होने वाले द्विपक्षीय कारोबारी आपदा को तीसरे पक्ष हेतु अवसर में बदलने के लिए भारत के लिए क्या संभावनाएं हैं और उसकी क्या रणनीति होनी चाहिए, इस विषय पर हम यहां चर्चा करेंगे। क्योंकि आर्थिक मामलों के जानकारों का मानना है कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध भारतीय निर्यातकों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

समझा जाता है कि अमेरिका-चीन जैसे दो बड़े देशों के इस अप्रत्याशित कदम से अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, आंकड़ा जन्य अनुभव बताता है कि ट्रंप के पहले कार्यकाल (2016-2020) के दौरान जब अमेरिका ने चीनी चीजों पर टैरिफ लगाया था, तो उस दौरान भारत चौथा सबसे बड़ा फायदा पाने वाला देश था। इसलिए विशेषज्ञों का कहना है चीन से आयात पर अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने से भारत को अमेरिका में निर्यात के लिए बहुत अवसर मिलेंगे। क्योंकि टैरिफ लगाए जाने से चीन से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर असर पड़ेगा।

बताया जाता है कि इससे अमेरिकी बाजार में उनके सामान की कीमतें बढ़ जाएंगी। इससे अमेरिकी खरीदार उच्च लागत से बचने के लिए वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की तलाश करेंगे। इससे भारत को फायदा होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1 फरवरी 2025 को एक इग्जेक्युटिव आदेश पर हस्ताक्षर किए। जिसमें मेक्सिको से आने वाले सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया। वहीं, कनाडा से आने वाले सामानों पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया। जबकि, कनाडा के ऊर्जा संसाधनों पर 10 प्रतिशत टैरिफ ही लगाने की घोषणा की गई। इस ऑर्डर में ही चीन से आयात पर भी 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात थी, जिससे चीन बौखला गया।

अलबत्ता, अमेरिका के जवाब में चीन ने भी कुछ अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगा दिया है। उसके इस जवाबी कदम के साथ ही दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। उधर, अमेरिकी कदम के जवाब में मेक्सिको और कनाडा ने भी अमेरिकी टैरिफ के बदले में जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इससे व्यापार युद्ध कई देशों के बीच पहुंच गया है। निकट भविष्य में इसके चक्कर में और कई देशों के आने की संभावना है। स्वाभाविक है कि इन सभी

कदमों का सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

बता दें कि इस बारे में अपनी सफाई देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि यह कदम अवैध इमिग्रेशन और ड्रग्स तस्करी से उपजी चिंताओं को लेकर उठाया गया है। क्योंकि रिपब्लिकन नेता ट्रंप ने इन दो मुख्य मुद्दों को अपने चुनावी अभियान का आधार बनाया था। चूंकि चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद से ही उनकी ओर से जनता से किये हुए वादों को पूरा करने की दिशा में कदम उठाए जाने के संकेत दिए जा रहे थे। इसलिए यह कदम उठाया गया है।

सवाल है कि चीन के अमेरिका पर टैरिफ लगाने का कितना प्रभाव उसपर पड़ेगा, तो जानकारों के मुताबिक जवाब यह होगा कि अमेरिका पर इसका सीमित प्रभाव हो सकता है। क्योंकि अमेरिका दुनिया में तरल प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा निर्यातक देश है, लेकिन उस निर्यात में चीन की हिस्सेदारी महज 2.3 फीसदी के आसपास है। वहीं, चीन का सबसे बड़ा कार आयात यूरोप और जापान से होता है। इसलिए विशेषज्ञ इसे चीन की सौदेबाजी की शक्ति हासिल करने के तौर-तरीके के रूप में इसे देख रहे हैं।

वहीं, जहां तक इस ट्रेड वॉर के चीन पर असर होने का सवाल है तो जानकार बताते हैं कि चीन 120 से अधिक देशों के लिए प्रमुख व्यापार भागीदार है और अमेरिका उनमें से सिर्फ एक है। वहीं, पिछले दो दशकों में चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था में व्यापार के महत्व को लगातार कम किया है और घरेलू उत्पादन में बढ़ोतरी की है। यही वजह है कि आज आयात और निर्यात का चीन के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 37 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि 2000 के दशक की शुरुआत में यह 60 फीसदी से अधिक था। इसलिए 10 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ उसे सिर्फ चुभेगा, जबकि पेइचिंग इस झटके को बर्दाश्त कर सकता है।

कुछ यही वजह है कि चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने भी अमेरिका के खिलाफ कई उत्पादों पर जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसके साथ ही गत मंगलवार को उसने अमेरिकी सर्च इंजन %गूगल% की जांच की भी बात कही, ताकि उसके कारोबारी हितों को चोट पहुंचाया जा सके। बताया गया है कि चीन द्वारा अमेरिकी कोयला और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) उत्पादों पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। साथ ही कच्चे तेल, कृषि मशीनरी, बड़ी कारों पर भी 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। वहीं, मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी उत्पादों पर नए टैरिफ 10 फरवरी से शुरू यानी प्रभावी होंगे।

वहीं, चीन की ओर से यह भी कहा गया है कि अमेरिका का एकतरफा टैरिफ बढ़ाना वर्ल्ड ट्रेड अऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का घोर उल्लंघन है।

बीजेपी नेता ने महिला का पकड़ा हाथ, कहा-जान से मार दूंगा

रास्ता रोककर कहा-नहीं भरने दूंगा नामांकन, दिव्यांग उम्मीदवार बोला-अधिकारी ने बिना कारण फॉर्म निरस्त किया

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में एक भाजपा नेता ने सरपंच प्रत्याशी की पत्नी के साथ बदसलूकी की। उसने महिला का हाथ पकड़कर नामांकन पत्र भरने से रोका। खुटेरा ग्राम पंचायत से दिव्यांग सरपंच प्रत्याशी को जान से मारने की धमकी दी और गाली-गलौज की। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।

मामला पथरिया थाना क्षेत्र का है। बीजेपी नेता का नाम नेता विनोद सिंह ठाकुर है। वह निर्विरोध सरपंच बनना चाहता है। बीजेपी नेता पर आरोप है कि उसने मिलीभगत कर रघुसिंह ठाकुर का नामांकन भी रद्द करा दिया है। पीड़ित पक्ष ने बीजेपी नेता और पीठासीन अधिकारी की शिकायत एसपी-कलेक्टर से की है।

जानिए क्या है पूरा मामला: दरअसल, 3 फरवरी को दिव्यांग सरपंच प्रत्याशी रघुसिंह अपनी पत्नी शैल ठाकुर के साथ नामांकन जमा करने ग्राम सिलदहा जा रहे थे। इस दौरान बीजेपी नेता विनोद सिंह पहले से ही रास्ते में मौजूद था। उसने इनकी गाड़ी को रास्ते में ही रोक लिया।

इस दौरान बीजेपी नेता विनोद सिंह पति-पत्नी को धमकाने लगा। वह कहने लगा कि उसे निर्विरोध सरपंच बन रहा है, इसलिए कोई और दूसरा नामांकन जमा नहीं कर सकता। इसी तरह और लोगों को भी फॉर्म भरने से रोक दिया है। हालांकि वह शिकायत नहीं किए हैं।

धमकाने और फॉर्म भरने से रोकने का वीडियो वायरल: बताया जा रहा है कि विवाद बढ़ने के दौरान मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने धमकाने और फॉर्म भरने से रोकने का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में विनोद कहता हुआ दिख रहा है कि उसे गांववालों ने सरपंच पद के लिए खड़ा किया है।

बीजेपी नेता कह रहा है कि तुम यानी रघुसिंह ठाकुर बिलासपुर में रहते हो। तुम लोग बाहरी आदमी हो। किसी भी हालत में वह उन्हें फॉर्म भरने नहीं देगा। वीडियो में दिख रहा विनोद सिंह महिला का हाथ पकड़ लिया है। उसके साथ गांव के 10-12 लोग थे।

आधे घंटे पहले ही ऑफिस का दरवाजा बंद: इस दौरान सरपंच उम्मीदवार की पत्नी शैल ठाकुर ने बताया कि इस दौरान वह फॉर्म जमा करने के लिए देर हो रहे थे। अपनी गाड़ी को पथरिया थाने में छोड़कर दूसरी गाड़ी से नामांकन जमा करने पहुंचे, लेकिन पीठासीन अधिकारी ने करीब आधे घंटे पहले ही ऑफिस का दरवाजा बंद कर दिया था।

बिना कारण बताए नामांकन रद्द करने का आरोप: शैल ठाकुर ने बताया कि उन्होंने निवेदन कर छोटे से जगह से हाथ डालकर नामांकन पत्र जमा किया, लेकिन बिना किसी गलती के नामांकन निरस्त कर दिया गया। पीठासीन अधिकारी ने नामांकन निरस्त का कारण भी नहीं बताया।

डीएसपी को जांच करने के निर्देश दिए गए: वहीं मामले में एसपी भोजराज पटेल ने बताया कि शिकायत पर डीएसपी को जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। धमकाने और फॉर्म भरने से रोकने का वीडियो भी वायरल हो रहा है। जांच के बाद मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भरतपुर विकासखण्ड में हो रहा स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मुख्यालय के अंतिम छोर मनेन्द्रगढ़ से लगभग 150 किमी दूर वनांचल क्षेत्र का आयुष्मान आरोग्य मंदिर हुआ एनक्यूएएस राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणित हुआ है। विकासखंड भरतपुर के लिए यह बड़ी उपलब्धि है कि वनांचल क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिर हरचौका, जो कि छत्तीसगढ़ के प्रवेशद्वार कहे जाने वाले सीतामणी ग्राम हरचौका में स्थित है, यह जिला मुख्यालय से 150 किमी दूर है। अब तक यह क्षेत्र स्वास्थ्य सुविधाओं में कमियों के लिए जाना जाता था। परन्तु कलेक्टर डी. राहुल वेंकट से प्राप्त निर्देशानुसार एवं नोडल अधिकारी एनक्यूएएस कायाकल्प डॉ. अभ्या गुप्ता के मार्गदर्शन में कठिन मेहनत कर आयुष्मान आरोग्य मंदिर हरचौका को राष्ट्रीय स्तर के पर्यवेक्षक के द्वारा असेसमेंट किया गया। सभी विभाग के दस्तावेज तथा साक्षात्कार उपरांत इसे संतोषजनक पाया गया है एवं 87 प्रतिशत अंकों के साथ एनक्यूएएस प्रमाणीकरण प्रदान किया गया। वर्तमान में एमसीबी जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाएं एनक्यूएएस प्रमाणीकरण के लिए प्रयासरत हैं, जिसमें भरतपुर ब्लॉक का आयुष्मान आरोग्य मंदिर हरचौका एमसीबी जिले का पहला आयुष्मान आरोग्य मंदिर है, जो उप स्वास्थ्य केंद्र अब राष्ट्रीय स्तर पर एनक्यूएएस प्रमाणीकृत हुआ है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर हरचौका के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी श्री नीरज आरएचओ, रामकली अहिरवार, सुपरवाइजर माल साय, सेक्टर चिकित्सा अधिकारी संजय मिश्रा एवं क्षेत्र की मितानिनों की भूमिका सराहनीय रही। टीम हरचौका को इस बड़ी उपलब्धि के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. के. रमन, डीपीएम पुष्पेंद्र सोनी, बीपीएम सुलेमान खान ने सभी को बधाई प्रेषित की है।

जिले में इन तिथियों को शुष्क दिवस घोषित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में नगरपालिका तथा त्रिस्तरीय निर्वाचन सम्पन्न कराने हेतु छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 की उप धारा (1) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर ने आदेश जारी कर जिले में निम्नानुसार अवधि में "शुष्क अवधि/शुष्क दिवस" घोषित किया है। नगरपालिका एवं नगरपंचायत निर्वाचन मतदान दिवस 11 फरवरी 2025 को जिले के समस्त मदिरा दुकान (विमदु केल्हारी को छोड़कर) तथा 4-क अनुज्ञप्ति परिसर 9 फरवरी 2025 से 11 फरवरी 2025 तक, नगरपालिका एवं नगरपंचायत निर्वाचन का मतगणना, मतगणना दिवस 15 फरवरी 2025 जिले के समस्त मदिरा दुकान (विमदु केल्हारी को छोड़कर) तथा 4-क अनुज्ञप्ति परिसर 15 फरवरी 2025 को सम्पूर्ण दिवस, त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन प्रथम चरण, मतदान दिवस 17 फरवरी 2025 को कोई मदिरा दुकान प्रभावित नहीं है। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन द्वितीय चरण, मतदान दिवस 20 फरवरी 2025 को देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान मनेंद्रगढ़ तथा पोड़ीकालरी एवं विदेशी मदिरा दुकान केल्हारी, पोड़ीकालरी तथा मनेंद्रगढ़ एवं 4-क अनुज्ञप्ति परिसर, 18 फरवरी 2025 से 20 फरवरी 2025 तक तथा त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन तृतीय चरण, मतदान दिवस 23 फरवरी 2025 को विदेशी मदिरा दुकान जनकपुर 21 फरवरी 2025 से 23 फरवरी 2025 तक शुष्क दिवस घोषित किया गया है।

जिले में घोषित "शुष्क अवधि/शुष्क दिवस" में प्रतिबंधित क्षेत्रों में मदिरा की कोई भी दुकान, होटल, रेस्टॉरेंट, क्लब, अहाता, एवं मदिरा बेचने, परोसने वाले अन्य प्रतिष्ठान को किसी भी व्यक्ति को चाहे वह जो भी हो, मदिरा बेचने व परोसने की अनुमति नहीं होगी। गैर मालिकाना क्लबों, स्टार होटलों, रेस्टोरेंट आदि और किसी अन्य होटलों एवं ऐसे होटलों जिनके द्वारा विहित लाइसेंस प्राप्त कर संचालित हो, उनको भी उपरोक्तानुसार घोषित "शुष्क अवधि/शुष्क दिवस" में मदिरा बेचने व परोसने की अनुमति नहीं होगी।

उक्त अवधि के दौरान मदिरा के व्यक्तिगत भण्डारण पर एवं गैर लाइसेंस प्राप्त परिसरों में मदिरा के भण्डारण पर आबकारी नियमों के तहत सख्ती से रोक लगाई जाए और उन्हें जप्त करने की कार्यवाही की जाये। आदेश का कड़ाई से पालन किया जाये।

जनकपुर के वार्ड क्रमांक 02 में मतदाताओं को ईवीएम का दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 को ध्यान में रखते हुए। नगर पंचायत जनकपुर के छत्रपति शिवाजी महाराज वार्ड क्रमांक 02 में ईवीएम मशीन का प्रदर्शन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में मतदाताओं को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। मास्टर ट्रेनर ने मतदाताओं को ईवीएम मशीन के सही उपयोग और मतदान प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। ईवीएम प्रदर्शनी का संचालन सुचारू रूप से किया गया, जिसमें उपस्थित अधिकारियों ने मतदाताओं के संदेह को दूर किया। इस अवसर पर मुख्य नगर पंचायत अधिकारी रमेश द्विवेदी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

गर्लफ्रेंड को मारने से पहले 30 किमी घुमाया

सुनसान ठिकाना खोजा, फिर गला घोंटा, तेजाब से जलाया, बोला- शादी का दबाव बना रही थी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में एक बॉयफ्रेंड ने पूरी प्लानिंग करके अपनी गर्लफ्रेंड की हत्या की। वारदात से पहले लड़की को बाइक से घुमाने ले गया। 30 किलोमीटर तक बाइक चलाते हुए हत्या के लिए सुरक्षित ठिकाना खोजता रहा। फिर जगह मिलते ही वहां लड़की का गला घोंट दिया। परिजनों का कहना है कि आरोपी ने पहचान छिपाने लाश के चेहरे पर तेजाब छिड़का। पुलिस ने आरोपी विवेक सेंन्द्रे को गिरफ्तार कर लिया है। विवेक के मुताबिक रचना शादी का दबाव बना रही थी। वहीं आरोपी का पता चलते ही फांसी देने की मांग को लेकर लोगों ने देर शाम सरस्वती नगर थाने के सामने जमा होकर विरोध जताया, जीई रोड जाम करने की कोशिश की, हालांकि सख्त कार्रवाई के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए।

कॉल डिटेल, मोबाइल की जांच से ट्रेस हुआ: सरस्वती नगर पुलिस के मुताबिक 31 जनवरी को रचना सोना नाम की लड़की की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई। वह कोटा इलाके के गीता नगर की रहने वाली थी। पुलिस ने आस-पास के लोगों से पूछताछ की। लड़की के कॉल डिटेल और मोबाइल की जांच की गईं। जिसके आधार पर रचना के ही एक रिश्तेदार और पड़ोस में रहने वाले विवेक सेंन्द्रे तक पुलिस पहुंच पाई। आरोपी के मुताबिक रचना शादी के लिए दबाव बना रही थी।

गुमराह करने की कोशिश लेकिन मैसेज ने फंसाया: पुलिस को विवेक सेंन्द्रे पर शक इसलिए हुआ कि लड़की ने अंतिम बार मोबाइल फोन पर उससे ही बात की थी। इसके अलावा जब लड़की के मोबाइल चैट्स पुलिस ने खंगाले तो उसका विवेक से लव अफेयर भी साफ हो गया। रचना उसे लगातार मैसेज करके शादी करने का दबाव डाल रही थी। लेकिन आरोपी उससे शादी नहीं करना चाहता था। जिस वजह से उसने मारने की प्लानिंग की।

रचना को कॉल कर गार्डन मिलने बुलाया: 30 जनवरी को दोपहर डेढ़ बजे के करीब उसने कॉल कर रचना को गार्डन मिलने बुलाया। फिर उसे घुमाने के बहाने बाइक में बैठाकर रायपुर से खारुन नदी होते हुए अमलेश्वर ले गया। फिर वहां से रचना को खमरिया नाम की जगह में खेत के बीच में बनी खाली झोपड़ी में लेकर गया। वहां पर दोनों के बीच फिर शादी की बात पर विवाद हुआ।

गला घोंटकर लड़की को मार डाला: इस विवाद के दौरान आरोपी ने रचना का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, उसने पहचान छिपाने के लिए लड़की के चेहरे पर तेजाब भी छिड़क दिया। जिससे उसका चेहरा और सीने का हिस्सा बुरी तरह जल गया। फिर आरोपी वहां से निकलकर घर आ गया। करीब 5 दिन तक लड़की के परिजन और पुलिस तलाश करते रहे। इस बीच लड़के ने भी पूछताछ में गुमराह करने की कोशिश की। लेकिन कॉल डिटेल में फंस गया।

हवा की दिशा विपरीत होने से नहीं आई बदबू: इस पूरे हत्याकांड में वारदात स्थल मुख्य सड़क से करीब डेढ़ सौ मीटर भीतर खेत के बीच में है। खेत पूरी तरह बंजर है, जिस वजह से आस-पास कोई नहीं जाता। इसके अलावा नदी की दिशा से आने वाली हवा सड़क से होते हुए झोपड़ी की तरफ जाती है। जिस वजह से दूर सड़क से गुजर रहे राहगीरों को बदबू नहीं आई।

3 कॉलेज दोस्त लापता, हसदेव किनारे मिले कपड़े-जूते

नदी में जलकुंभी और 15-20 फीट गहराई, मोबाइल-लोकेशन से पहुंची पुलिस, 2 लड़के सीएसईबी कर्मी के बेटे

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में 3 कॉलेज दोस्त हसदेव नदी में नहाने आए थे, जो सोमवार से लापता हैं। आशंका है कि तीनों दोस्त नदी में डूब गए हैं। उनके चप्पल-जूते, कपड़े, मोबाइल और बाइक नदी किनारे मिले हैं। नदी की गहराई 15-20 फीट है। मामला दर्री थाना क्षेत्र का है।

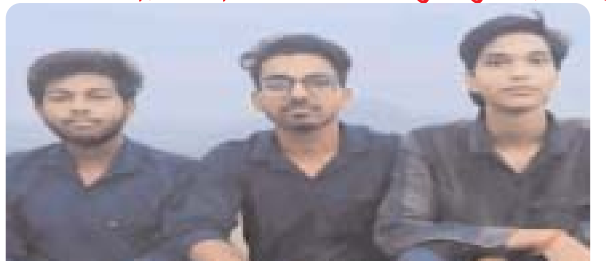

आशुतोष सोनिकर (18) बजरंग प्रसाद (19) और सागर चौधरी (26) लापता हैं। इनमें आशुतोष और बजरंग सीएसईबी कर्मी के बेटे हैं। नगर सेना और एसडीआरएफ गोताखोरों की टीम के साथ मौके पर पहुंचकर तलाश कर रही है। दर्री डैम से सर्च ऑपरेशन शुरू किया, जिसके बाद हसदेव नदी में सर्चिंग जारी है। तीनों मंगलवार सुबह 11 बजे से लापता हैं। शाम तक तीनों का कोई सुराग नहीं मिला। अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू रोक दिया गया था।

दोस्तों और आसपास के लोगों से पूछताछ की: परिजनों ने बताया कि जब छात्र घर नहीं पहुंचे तो उन्हें चिंता हुई। वह उनके दोस्तों और आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन कहीं से कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद सोमवार को उन्होंने दर्री थाने में शिकायत दर्ज कराई। बताया जा रहा है कि पुलिस तीनों युवकों के मोबाइल लोकेशन के आधार पर वहां पहुंची। इस दौरान परिजनों ने कपड़े और जूतों से युवकों की पहचान की।

नदी किनारे कब पहुंचे किसी को नहीं पता: परिजनों ने बताया कि आशुतोष सोनिकर आईटीआई कॉलेज, बजरंग प्रसाद और सागर चौधरी पीजी कॉलेज के छात्र हैं। आशुतोष और बजरंग प्रसाद के पिता सीएसईबी कर्मचारी हैं और ये दोनों सीएसईबी कॉलोनी के रहने वाले हैं, जबकि सागर चौधरी आईटीआई कॉलोनी में रहता है, उसके पिता निजी कंपनी में काम करते हैं।

परिजनों ने बताया कि तीनों युवक किन परिस्थितियों में नदी किनारे पहुंचे हैं, उनको इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। वह रातभर तीनों की तलाश किए। दूसरे दिन उनके सिर्फ कपड़े और मोबाइल मिले हैं। उन्हें किसी अनहोनी की चिंता सता रही है।

जहां से लापता, वहां 15-20 फीट की गहराई: बताया जा रहा है कि नदी में जिस जगह से तीनों लापता हुए हैं, वहां नदी की गहराई करीब 15-20 फीट की है। इसके अलावा जलकुंभी भी भारी मात्रा में है। ऐसे में आशंका है कि कहीं तीनों दोस्त जलकुंभी में तो नहीं फंस गए। या फिर एक को बचाने के चक्कर में तीनों फंस गए।

पुलिस बोली- नदी में बहने की आशंका: मामले में दर्री पुलिस का कहना है कि तीनों दोस्तों ने लापता होने से पहले सोशल मीडिया पर एक साथ बैठे फोटो शेयर की थी। पुलिस ने आशंका जाहिर की है कि तीनों युवक नदी में बह गए हैं।

नगर पंचायत खोंगापानी के वार्ड क्रमांक 05 एवं 10 में मतदाताओं को ईवीएम का दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आगामी नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 को ध्यान में रखते हुए नगर पंचायत खोंगापानी के वार्ड क्रमांक 05 एवं वार्ड क्रमांक 10 में मास्टर ट्रेनर के द्वारा मतदाताओं को ईवीएम मशीन का प्रशिक्षण दिया । यह प्रशिक्षण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेशानुसार आयोजित किया गया, जिसमें मतदाताओं को ईवीएम मशीन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। इस जागरूकता अभियान के तहत नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की सही उपयोग और मतदान प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन सुचारू रूप से किया गया, जिसमें उपस्थित अधिकारियों ने मतदाताओं के संदेह को दूर किया और उन्हें निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कमरूदीन अंसारी (सी.ए.सी.), गणेश यादव (सी.ए.सी.) और कार्यालय सहायक रामसिया उपस्थित थे ।

डॉ. आर.एन.एस. बी.एड. कॉलेज मौहारपारा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार जिले के नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2025 में लोगों को अपने मतदान का उपयोग करने के लिए लगातार मतदाता जागरूकता अभियान का कार्यक्रम बहुत ही शानदार तरीके से किया जा रहा है। आज इस कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता हेतु उद्बोधन, जागरूकता गीत तथा शपथ ग्रहण करके यह संकल्प लिया गया, कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में हम सब अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर अपने कर्तव्य का निर्वहन करेंगे। इस कार्यक्रम में मतदान जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी मंजुला कौरव (सहायक विकास विस्तार अधिकारी) जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ तथा तकनीकी सहायक अपर्णा शिवहरे उपस्थित रहीं। आज बी.एड. कॉलेज के प्राचार्य, व्याख्याता, कॉलेज के डायरेक्टर तथा सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। इसके साथ ही बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता अभियान में हिस्सा लिया।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन हेतु 662 कर्मचारियों को 25 मास्टर ट्रेनर्स ने दिया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आगामी पंचायत निर्वाचन 2025 के सफल संचालन हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतदान दलों का विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल मनेंद्रगढ़ में सुबह 11:00 बजे से प्रारंभ किया गया। जिसमें विकासखंड मनेंद्रगढ़ के मतदान दलों सहित रिज़र्व दलों के 166 दलों के 662 कर्मचारियों को 25 मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। पंचायत निर्वाचन की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए मास्टर ट्रेनरों ने मतदान और मतगणना से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण सत्र में बताया गया कि पंचायत चुनाव की खासियत यह है कि मतदान और मतगणना दोनों एक ही दिन और एक ही मतदान केंद्र पर होते हैं। मतदान समाप्त होते ही मतदान दल को मतगणना दल में परिवर्तित कर दिया जाता है और उसी स्थान पर मतगणना कर अभ्यर्थियों को प्राप्त मतों की संख्या घोषित कर दी जाती है। इसलिए मतदान दल के सभी सदस्यों को मतदान के साथ-साथ मतगणना की प्रक्रिया का भी संपूर्ण ज्ञान होना आवश्यक है। मास्टर ट्रेनरों ने बताया कि मतगणना के समय पीठासीन अधिकारी को प्राधिकृत अधिकारी की भूमिका निभानी होती है, जबकि सभी मतदान अधिकारी मतगणना सहायक के रूप में कार्य करते हैं। मतदान और मतगणना की प्रक्रिया पूरी तरह से सामूहिक उत्तरदायित्व का कार्य है, इसलिए दल के प्रत्येक सदस्य को अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाना होगा। यदि मतदान के दौरान कोई त्रुटि होती है, तो उसका प्रभाव मतगणना में दिखेगा, इसलिए सभी को अत्यधिक सतर्कता और सावधानी बरतनी होगी। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि ग्रामीण निकाय चुनावों में प्रत्येक मतदान केंद्र पर चार अलग-अलग पदों के लिए मतदान होता है। इनमें जिला पंचायत सदस्य के लिए गुलाबी, जनपद पंचायत सदस्य के लिए पीला, ग्राम पंचायत सरपंच के लिए नीला और ग्राम पंचायत पंच के लिए सफेद रंग का मतपत्र निर्धारित होता है। यदि किसी ग्राम पंचायत में 10 वार्डों के पंच पदों के लिए मतदान हो रहा हो, तो उस मतदान केंद्र पर 13 प्रकार के मतपत्र हो सकते हैं। इसलिए मतदान प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए प्रत्येक मतदान दल में पीठासीन अधिकारी के अलावा चार मतदान अधिकारी होते हैं। मास्टर ट्रेनरों ने बताया कि पंचायत चुनावों में मतपत्र और मतपेटी के माध्यम से मतदान संपन्न कराया जाता है। सभी मतपत्रों की स्पष्ट पहचान के लिए मतदान दल को दो विशेष सुभेदक सील दी जाती हैं। इनमें से एक सील का उपयोग जिला पंचायत और जनपद पंचायत सदस्य पद के मतपत्रों के लिए, जबकि दूसरी सील सरपंच और पंच पद के मतपत्रों के लिए किया जाता है। प्रशिक्षण में यह भी स्पष्ट किया गया कि सामान्यतः मतदान का समय सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित होता है, लेकिन सभी मतदान कर्मियों को अपने नियुक्ति आदेश में दिए गए समय का कड़ाई से पालन करना होगा। मतदान समाप्त होने के बाद सभी आवश्यक अभिलेख तैयार किए जाते हैं और तत्पश्चात मतदान केंद्र पर ही मतगणना की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। मतगणना के बाद सभी अभिलेखों को संकलित कर मतपत्रों और अन्य सामग्रियों को सुरक्षित रूप से सील किया जाता है, जिसके बाद मतदान दल निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुरक्षित रूप से लौटता है। मास्टर ट्रेनरों ने कहा कि पंचायत निर्वाचन की यह प्रणाली चुनावी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुचारू बनाती है। सभी मतदान कर्मियों को अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का निर्देश दिया गया, ताकि चुनाव निष्पक्ष और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर टी. विजय गोपाल राव, नारायण प्रसाद तिवारी, सुरेंद्र कुमार जायसवाल, जसवंत डहरिया, गणेश यादव, अमूलचंद झा, विनोद सोनी, गौरव त्रिपाठी, लवकुश कुमार गुप्ता, श्रीकांत लांजेवार, विवेक सिन्हा, पारसमणि, कमरुद्दीन अंसारी, देवेंद्र साहू, भीमसेन भगत, रामचंद्र नामदेव, नसीमा बेगम, स्मृति अग्रवाल, सुशील तिवारी, रामशरण सिंह, मुकेश चौहान, सुशील छात्रे, अश्विनी कुमार दुबे, शुभम अग्रवाल सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

नई लेदरी के वार्ड क्रमांक 08 में मतदाताओं को ईवीएम का दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आगामी नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेशानुसार नगर पंचायत नई लेदरी के वार्ड क्रमांक 08 में खैर माता के पास ईवीएम मशीन का प्रदर्शन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में मतदाताओं को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। मास्टर ट्रेनर अमूलचंद झा ने मतदाताओं को ईवीएम मशीन के सही उपयोग और मतदान प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। इस जागरूकता अभियान के तहत नागरिकों को निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुचारू रूप से किया गया, जिसमें उपस्थित अधिकारियों ने मतदाताओं के संदेह को दूर किया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी अंजना वाईक्लिफ, प्रधान पाठक सिंह एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने 18 गैर-हिंदू कर्मचारियों को हटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश का तिरुपति बालाजी मंदिर मैनेजमेंट अपने 18 कर्मचारियों को हटाने की तैयारी में है। इन सभी को तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के नियमों के खिलाफ जाकर काम करने का दोषी पाया गया है। ट्रस्ट ने सभी 18 कर्मचारियों से सामने दो शर्तें रखी हैं- या तो सभी किसी दूसरे सरकारी विभाग में ट्रांसफर ले लें या फिर (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति) ले लें। ऐसा मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए किया जा रहा है। यह कार्रवाई ज्ञ्ञझ अध्यक्ष बीआर नायडू के निर्देश पर की गई। संस्थान में काम के दौरान गैर-हिंदू धार्मिक प्रथा फॉलो करने वाले 18 कर्मचारियों के खिलाफ एक्शन लिया है। ये सभी यूपीएस में काम करने के बावजूद गैर-हिंदू धार्मिक परंपराओं को फॉलो कर रहे हैं। अब इनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। 13 जनवरी को लड्डू वितरण केंद्र में उस वक?त आग लगी जब लड्डू काउंटर पर बड़े पैमाने पर पवित्र प्रसाद लेने वालों की भीड़ थी। आग लगते ही भक्तों में अफरा-तफरी मच गई। तिरुपति तिरुमला देवस्थानम मंदिर प्रशासन के मुताबिक कंप्यूटर सेटअप से जुड़े यूपीएस में शॉर्ट सर्किट के वजह से आग लगी थी। हादसा 10 दिवसीय वैकुंठ द्वार दर्शनम उत्सव के दौरान हुआ था। श्रद्धालु मंदिर में 10 दिनों के विशेष दर्शन के लिए टोकन के लिए लाइन में लगे थे। इस दौरान भगदड़ मच गई थी। घटना में 6 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 40 लोग घायल हो गए थे।

युवाओं के लिए आत्मविश्वास, अनुशासन और उत्साह का स्त्रोत है एनसीसी -मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) विद्यार्थियों को अनुशासन और उत्साह प्रदान करता है। देशभक्ति, सामर्थ्य, सहयोग, सह-अस्तित्व की भावना के साथ एनसीसी की यूनिफार्म धारण करना आत्मविश्वास की विशेष अनुभूति प्रदान करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर अधिक सशक्त और समर्थ होते भारत की ओर सम्पूर्ण विश्व आशा की दृष्टि से देख रहा है, इस परिदृश्य में भारतीय युवा पीढ़ी का दायित्व अधिक बढ़ जाता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का सेना के साथ त्यौहार मनाना हमारे सशस्त्र बल को यह विश्वास दिलाता है कि समाज और सरकार उनके साथ है। राष्ट्रीय कैडेट कोर के विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय पर्व ऐसे व्यक्तित्व के सानिध्य में मनाने का अवसर मिलना गर्व का विषय है, यह अवसर हर कैडेट के लिए अविस्मरणीय होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह-2025 में शामिल राष्ट्रीय कैडेट कोर के प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री निवास में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास में एनसीसी कैडेट्स का सम्मान किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न श्रेणियों के उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कार भी प्रदान किए।

कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, विधायक श्री रामेश्वर

शर्मा, एनसीसी मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ निदेशालय के एडीजी मेजर जनरल श्री विक्रांत एम. धुमने तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में लगे कैम्प में 28 राज्यों और 8 केन्द्र शासित प्रदेशों के 2 हजार 361 कैडेट्स का समागम हुआ। एनसीसी एकता और अनुशासन की पाठशाला है, इसके अनुभव जीवनभर कैडेट्स का मार्गदर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत विश्व के प्राचीनतम देशों में से एक है और यहाँ राष्ट्र के लिए स्वयं को बलिदान करने वालों की कमी नहीं रही है। देश और धर्म की रक्षा के लिए बच्चों द्वारा दी गई कुर्बानियों का भी भारत में लंबा इतिहास है।

मिल्कीपुर में अजीत प्रसाद ने भाजपा एजेंट को धमकाया

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए शाम 5 बजे वोटिंग खत्म हो गई। इस उपचुनाव में कुल 65.35 प्रतिशत वोटिंग हुई है। सुबह 7 बजे वोटिंग शुरू हुई थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि सभी 415 बूथों पर शांतिपूर्ण मतदान हुआ। इस बीच, सपा प्रत्याशी अजीत प्रसाद घाटमपुर मतदान केंद्र पर पहुंचे। भाजपा के बूथ एजेंट पर फर्जी वोट डलवाने का आरोप लगाते हुए धमकाया। कहा- फर्जी वोट डलवा रहे हो, मुझे जानते नहीं हो। सपा ने बीते 10 घंटे में 86 शिकायती पोस्ट एक्स पर की हैं। अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने घर में पूजा की। उन्होंने आरोप लगाया कि एसडीएम कार्यकर्ताओं को धमका रहे। इसकी सूचना उन्होंने सीनियर अफसरों को भी दी है वहीं, अखिलेश यादव ने एक्स पर वोटर आईडी चेक करते पुलिस अफसरों की फोटो पोस्ट की।

अमित शाह का सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सभी सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने का निर्देश दिया ताकि 'शून्य घुसपैठ%' के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति पर दो दिन में दो उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण केंद्र शासित प्रदेश में आतंक का पारिस्थितिकी तंत्र कमजोर हो गया है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक गृहमंत्री ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को 'शून्य

घुसपैठ%' के लक्ष्य के साथ आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य आतंकवादियों को जड़ से उखाड़ फेंकना होना चाहिए। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा,''मादक पदार्थों के व्यापार से आतंकवाद के वित्तपोषण पर तत्परता और सख्ती से लगाम लगाई जानी चाहिए।%%

गृहमंत्री ने मंगलवार और बुधवार को लगातार दो बैठकों में सेना, पुलिस, अर्द्धसैनिक बलों और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। यह पहली बार था जब गृह मंत्री ने लगातार दो दिन जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर इतनी विस्तृत चर्चा की।

राज्यसभा में भड़के खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे भाषण देते समय भड़क उठे। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे नीरज शेखर से कहा कि चुप बैठ, तेरा बाप भी मेरा साथी था। तू क्या बात करता है। विवाद बढ़ता देख चेयरमैन जगदीप धनखड़ ने दोनों से शांत रहने को कहा। और कहा-चंद्रशेखर देश के बड़े नेताओं में से एक हैं। इसलिए अपना बयान वापस लें। दरअसल, खड़गे 3 फरवरी को बजट सत्र के तीसरे दिन बहस के दौरान वे अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में हुई गिरावट पर बोल रहे थे, तभी शेखर ने उन्हें बीच में टोक दिया।

धनखड़ के हस्तक्षेप के बाद खड़गे ने कहा कि उन दोनों को एक साथ गिरफ्तार किया गया था। इसलिए उन्होंने कहा था कि उनके पिता खड़गे के साथी हैं। इसके बाद धनखड़ ने उनसे- आप कह रहे हैं तेरा बाप%, क्या हम इस अभिव्यक्ति को प्रमाणित कर सकते हैं? आप एक अन्य माननीय सदस्य को कह रहे हैं %तेरा बाप%, हमें चंद्रशेखर के प्रति सम्मान रखना चाहिए। कृपया, अपना बयान वापस लें।

समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद नीरज शेखर 2019 में भाजपा में शामिल हो गए। उनके पिता चंद्रशेखर को देश के इतिहास में सबसे बड़े समाजवादी नेताओं में से एक माना जाता है और उन्होंने अक्टूबर 1990 से जून 1991 तक छह महीने तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया।

रामलला के दर्शन अब सुबह 6 से रात 10 तक

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला के दर्शन के टाइम टेबल में बदलाव किया गया है। अब मंदिर रोजाना करीब 16 घंटे खुला रहेगा। श्रृंगार आरती के बाद सुबह 6 बजे भक्तों के लिए मंदिर के कपाट खुलेंगे। रात 10 बजे तक रामलला के दर्शन होंगे। इस दौरान संध्या आरती के लिए सिर्फ 15 मिनट के लिए कपाट बंद रहेंगे। पहले मंदिर सुबह 7 बजे से रात साढ़े 9 बजे तक खुलता था,

यानी अब मंदिर डेढ़ घंटे ज्यादा खुला रहेगा। राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए टाइम टेबल में बदलाव किया गया है। ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के मुताबिक, श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इससे ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकेंगे। सुबह आधे घंटे और शाम को 1 घंटे दर्शन अवधि बढ़ाई गई है। ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के मुताबिक, नई व्यवस्था में बिड़ला धर्मशाला के सामने के मुख्य द्वार से दर्शन के लिए प्रवेश होगा।

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ और घुसपैठियों में झड़प

कोलकाता/दिसपुर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स पर की सीमा पार से आने वाले घुसपैठियों ने झड़प हुई। सुरक्षाबलों ने घुसपैठ को नाकाम किया। हालांकि झड़प के दौरान एक जवान घायल हुआ। एक घुसपैठिया भी गिरफ्तार किया गया है। घटना दक्षिण दिनाजपुर जिले में बॉर्डर से लगे मलिकपुर गांव में 4-5 जनवरी की रात में हुई। डकैती और स्मगलिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले गैंग के कई लोग बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे रात में पेट्रोलिंग कर रहे बीएसएफ जवानों ने घुसपैठ कर रहे बदमाशों को खदेड़ा था। इसी दौरान उन लोगों ने जवानों पर हमला कर दिया। ट्ठस्न ने भी जवाबी कार्रवाई की। बदमाशों में टीम की गाड़ी भी छीनने की कोशिश की। इसी दौरान बदमाशों ने धारदार हथियारों से टीम पर हमला किया। सुरक्षाबलों ने बदमाशों पर गोला-बारूद दागा और गोलियां चलाईं। बदमाश अपनी जान बचाकर बांग्लादेश की ओर भाग निकले।

राहुल से जगलाल चौधरी के बेटे को मिलने से रोका

पटना (एजेंसी)। स्वतंत्रता सेनानी दिवंगत जगलाल चौधरी की जयंती समारोह में उनके बेटे भूदेव चौधरी को ही मंच पर जगह नहीं मिली। उन्हें कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिलने से रोक दिया गया। दिवंगत चौधरी के बेटे भूदेव चौधरी ने आरोप लगाया, %हमें राहुल गांधी से मिलने नहीं दिया गया। मंच तक पर नहीं जाने दिया गया। हम लोगों ने मंच तक पहुंचने की बहुत कोशिश की। सबसे कहा भी

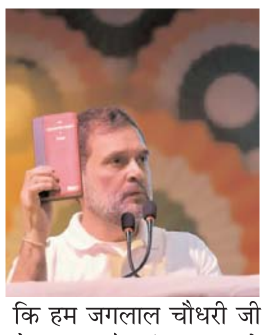

कि हम जगलाल चौधरी जी के लड़का हैं। मंच तक जाने दीजिए, पर वहां पुलिसकर्मियों ने कहा कि कोई रास्ता नहीं है। चौधरी ने कहा, हमको बहुत ज्यादा दुख हुआ, क्योंकि मेरे पिताजी की जयंती मन रही थी और हमें ही नहीं शिरकत करने दिया गया।

19 दिन में दूसरी बार बुधवार को पटना पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जयंती समारोह को संबोधित किया। उन्होंने बिहार की जातीय गणना पर सवाल उठाया। राहुल गांधी ने कहा, %हम बिहार वाली जातीय गणना नहीं करवाएंगे। अगर देखना है तो तेलंगाना वाली जाति जनगणना देखिए।

हरियाणा के 22 जिलों से प्रयागराज के लिए बसें रवाना

सोनीपत (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने महाकुंभ के लिए प्रदेश के लोगों को सीधी बस सेवा का तोहफा दिया है। बुधवार को प्रदेश के सभी 22 जिलों के बस स्टैंड से हरियाणा रोडवेज की एक-एक बस प्रयागराज के लिए रवाना हुई। सोनीपत में पूजा पाठ के बाद नारियल तोड़कर बस को रवाना किया गया तो रोहतक में पहले दिन सिर्फ 3 यात्री प्रयागराज के लिए निकले। सरकार के आदेश के बाद रोडवेज ने प्रत्येक जिले से प्रयागराज जाने वाली बसों का किराया और समय दोनों ही तय कर दिए हैं। किराया दूरी के हिसाब से तय किया गया है, जो कि 900 रुपए से 1300 रुपए के बीच है। फिलहाल बसों में अग्रिम बुकिंग की व्यवस्था नहीं की गई है। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा- हम हरियाणा के हर जिले से कुंभ के लिए बस सेवा शुरू करने जा रहे हैं। हर जिले से रोजाना एक बस कुंभ के लिए चला करेगी। यह 5 फरवरी से शुरू होगी और 25 फरवरी तक हर रोज प्रयागराज जाएगी।

महाकुंभ के 24वें दिन मोदी की संगम में डुबकी

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज में संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने भगवा रंग के वस्त्र पहन रखे थे। हाथ और गले में रुद्राक्ष की मालाएं थीं। मंत्रोच्चार के बीच मोदी ने अकेले ही संगम में डुबकी लगाई।

स्नान के बाद पीएम ने सूर्य को अर्घ्य दिया। करीब 5 मिनट तक मंत्र का जाप करते हुए सूर्य पूजा की। संगम नोज पर गंगा पूजन किया। मां गंगा को दूध अर्पित किया, साड़ी चढ़ाई।

संगम स्नान के बाद मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा- महाकुंभ में आज पवित्र संगम में डुबकी

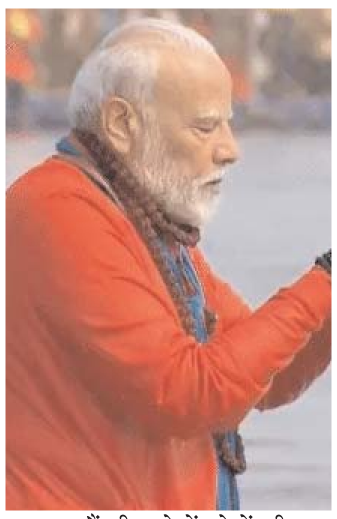

लगाकर मैं भी करोड़ों लोगों की तरह धन्य हुआ। मां गंगा सभी को असीम शांति, बुद्धि, सौहार्द और अच्छा स्वास्थ्य दें। मोदी गंगा पूजन के बाद सीधे बोट से अरैल घाट पहुंचे। वहां से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। मोदी के संगम स्नान के दौरान सीएम योगी भी साथ रहे।

2 घंटे प्रयागराज में रहे मोदी महाकुंभ में श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो, इसलिए पीएम ने कार्यक्रम बेहद सीमित रखा। वह करीब दो घंटे प्रयागराज में रहे। उन्होंने किसी से मुलाकात नहीं की। यहां तक कि दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक भी बमरौली एयरपोर्ट पर ही रहे।

मैदानी राज्यों में गर्मी बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। फरवरी के पहले ही हफ्ते में मैदानी राज्यों में मौसम तेजी से बदल गया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश में पारा 30ए से 35ए तक पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ के रायपुर में सबसे ज्यादा 36ए पारा रिकॉर्ड किया गया। हालांकि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड आज बारिश और बर्फबारी का अलर्ट है। मनाली में 4 इंच बर्फ गिर चुकी है। बर्फबारी के चलते अटल टनल में ट्रैफिक रोक दिया गया है। उत्तर प्रदेश में 72 साल में पहली बार फरवरी में पारा 30 डिग्री पार कर गया है। लेकिन अगले 2-3 दिन में पश्चिमी विक्षोभ के असर से चलते कुछ इलाकों में बारिश होने की संभावना है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा में आने वाले दिनों में बारिश हो सकती है। जिससे तापमान में 2ए-3ए की कमी आएगी। ओडिशा, बंगाल, सिक्किम में कोहरा रह सकता है।

6 फरवरी- उत्तराखंड और ओडिशा में कोहरा छाया रहेगा। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में बारिश का अलर्ट है।

7 फरवरी- देश में कहीं भी बारिश, बर्फबारी या कोहरे का अलर्ट नहीं है। हालांकि तापमान बढ़ने से मौसम गर्म हो सकता है।

यमुना में जहर वाले बयान पर केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर हरियाणा के लोकल कोर्ट ने आदेश दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुना में जहर वाले बयान पर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ हरियाणा में एफआईआर दर्ज की गई। यह मुकदमा कुरुक्षेत्र के लोकल कोर्ट के शाहबाद पुलिस थाने में दर्ज किया गया है।

27 जनवरी को केजरीवाल ने यमुना के पानी को जहरीला करने का आरोप लगाया था। केजरीवाल ने कहा था कि दिल्ली के लोगों को पीने के लिए पानी हरियाणा और उत्तर प्रदेश से मिलता है। भाजपा की हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी को जहरीला कर दिया है। इससे पहले 29 जनवरी को सोनीपत कोर्ट ने भी केजरीवाल को इस मामले में नोटिस भेजा था। हरियाणा सिंचाई विभाग के एक अधिकारी ने सोनीपत सीजेएम नेहा गोयल की कोर्ट में शिकायत दायर की थी। केजरीवाल ने कहा था- हरियाणा

सरकार ने दिल्ली के पानी को जहरीला कर दिया है। दिल्ली जल बोर्ड ने उस पानी को दिल्ली में आने से रोक दिया। भाजपा सरकार ने पानी में ऐसा जहर मिलाया है, जिसे जल उपचार संयंत्रों द्वारा भी साफ नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा था कि इससे दिल्ली के एक तिहाई हिस्से में पानी की कमी हो गई है। दिल्ली में अफरा-तफरी मचाने के लिए ऐसा किया गया है ताकि दिल्ली के लोग मरें और इसका दोष आप पर आए।

दिल्ली में 57.85 प्रतिशत वोटिंग,सबसे ज्यादा नार्थ-ईस्ट दिल्ली में 63.83 प्रतिशत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए वोटिंग का टाइम खत्म हो गया है। 57.85प्रतिशतउ लोगों ने इस बार वोट डाले हैं। सबसे ज्यादा नार्थ-ईस्ट दिल्ली में 63.83उ प्रतिशत और सबसे कम साउथ-ईस्ट में 53.77 प्रतिशत मतदान हुआ है। यह भाजपा सांसद मनोज तिवारी का संसदीय क्षेत्र है। पिछले 12 सालों में यह सबसे कम वोटिंग है।

पिछले 3 चुनावों के मुकाबले कम वोटिंग दिल्ली विधानसभा के पिछले 3 चुनावों के मुकाबले इस बार कम वोटिंग हुई है। साल 2013 में 65.63प्रतिशतवोटिंग हुई थी। 2015 में 67.12प्रतिशत और 2020 में 62.59प्रतिशत वोटिंग हुई थी। तीनों बार दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी। इस बार 57.85प्रतिशत वोटिंग हुई है। हालांकि, यह आंकड़ा फाइनल नहीं है। गुरुवार सुबह यह फाइनल होगा। एग्जिट पोल में भाजपा की सरकार ज्यादातर एग्जिट पोल में भाजपा की सरकार बनती दिखाई दे रही है। 10 एग्जिट पोल आए हैं। 8 में भाजपा को बहुमत मिलता दिखाई दे रहा है। 2 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने का अनुमान है।

सीलमपुर में फर्जी मतदान की शिकायत पर हंगामा हुआ भाजपा ने आरोप लगाया है कि सीलमपुर में बुर्के में महिलाओं से फर्जी मतदान करवाया जा रहा है। इस दौरान आप और भाजपा समर्थक एक-दूसरे से भिड़ गए, जिससे हंगामा होने लगा। बूथ लेवल ऑफिसर ने माना कि किसी और के नाम पर दूसरे लोग वोट डाल गए। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने जांच में कहा कि नाम एक जैसे होने की वजह से कंफ्यूजन हुआ। इसके बाद यहां पुलिस जांच कर रही है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि नॉर्थ एवेन्यू एन ब्लॉक में 2000-3000 रुपए बांटे गए, और लोगों की उंगलियों पर स्याही लगाई गई। यह सब चुनाव आयोग की नाक के नीचे हो रहा है। आप विधायक पर फ्लाइंग किस देने के आरोप में स्नह्नढ्ढक्र वोटिंग के दौरान ककके 2 विधायकों के खिलाफ स्नह्नढ्ढक्र दर्ज की गई है। दिनेश मोहनिया के खिलाफ एक महिला ने फ्लाइंग किस देने का केस दर्ज कराया। ओखला विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन का केस दर्ज किया गया है।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में ऐसी हो सकती है भारत की प्लेइंग 11

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार, 6 फरवरी से भारत और इंग्लैंड के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आगाज होने जा रहा है। वहीं पहला मुकाबला नागपुर के विदर्भ क्रिकेट स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। इंग्लैंड की नजरें टी20 में मिली तगड़ी हार का बदला लेने पर रहेंगी जबकि टीम इंडिया टी20 की तर्ज पर वनडे सीरीज में भी जीत से शुरुआत करना चाहेगी।

इंग्लैंड को कमजोर समझना भारत के लिए ठीक नहीं है। टी20 सीरीज में कई मौकों पर अंग्रेजों ने भारत को चुनौती दी थी। वनडे में भी जोस बटलर की टीम कठिन सवाल पूछ सकती है। हालांकि, भारत को भारतीय धरती पर हराना दुनिया की किसी भी टीम के लिए टेढ़ी खीर से कम नहीं है। कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय है, लेकिन अब फॉर्मेट और कंडीशन अलग हैं, ऐसे में दोनों बल्लेबाजों के पास बेहतरीन मौका है अच्छा प्रदर्शन करने का। नागपुर कि पिच स्पिनर्स के लिए मुफीद रहती है, लेकिन यहां बड़े बड़े स्कोर भी बनते हैं। पिच क्यूरेटर के मुताबिक, पिच 300 प्लस स्कोर वाली है। ऐसे में एक हाई स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिल सकता है। हालांकि, भारत तीन स्पिनर्स के साथ उतर सकता है। तो मेहमान टीम के लिए भारत के स्पिन अटैक का सामना करना एक बड़ी चुनौती होगा।

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी।

राशिद खान ने रचा कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफ गानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को पछाड़ कर सबसे ज्यादा विकेट लेने का महारिकॉर्ड अपने नाम किया। राशिद इन दिनों एसए20 में खेल रहे हैं, जिसके जरिए उन्होंने सबसे ज्यादा टी20 विकेट चटकाने का खिताब अपने नाम किया। बता दें कि, राशिद खान एसए20 में एमआई केपटाउन की कमान संभाल रहे हैं। टूर्नामेंट का पहला क्वालिफायर पार्ल रॉयल्स और एमआई केपटाउन के बीच खेला गया। इसी मुकाबले में राशिद ने अपना पहला विकेट चटकाते ही ब्रावो का रिकॉर्ड तोड़ दिया। ब्रावो ने अपने टी20 करियर में 631 विकेट चटकाए। जबकि राशिद खान ने 633 विकेट अपने नाम कर लिए हैं। राशिद खान ने अक्टूबर, 2015 में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलते हुए अपना टी20 डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने महज 1 विकेट चटकाया था। अब 10 साल से भी कम वक्त में वह टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। पिछले साल क्रिकेट संन्यास ले चुके ड्वेन ब्रावो ने फरवरी, 2006 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला खेलकर टी20 डेब्यू किया था। ब्रावो को जो आंकड़ा छूने के लिए करीब 18 साल का वक्त लगा, राशिद ने उससे बड़ा आंकड़ा महज 10 साल से कम वक्त में ही छू लिया।

ऑटो ड्राइवर ने राहुल द्रविड़ की गाड़ी को मारी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच और बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को उनके शांत व्यवहार के लिए जाना जाता है। बहुत कम ही लोगों ने राहुल द्रविड़ का गुस्सा देखा होगा, इसलिए अगर कभी वो नाराज या गुस्से में दिखते भी हैं तो यकीन कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसा ही कुछ हुआ बेंगलुरु में जब उनकी कार को एक ऑटो ड्राइवर ने टक्कर मार दी, जिसके बाद राहुल द्रविड़ बीच रोड पर ऑटो वाले के साथ बहस करते हुए दिखे। इस दौरान द्रविड़ गुस्से में भी नजर आ रहे हैं। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। फैंस ये देखकर काफी हैरान हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल द्रविड़ एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास कुनिंघम रोड पर एक ऑटो वाले के साथ बहस करते दिखे। टीवी9 के मुकाबिक द्रविड़ की सड़क किनारे खड़ी गाड़ी को इस पिक ड्राइवर ने पीछे से टक्कर मार दी। इस टक्कर के कारण द्रविड़ की कार आगे खड़ी कार से जा लगी। वायरल वीडियो में द्रविड़ और ऑटो ड्राइवर कन्नड़ में बहस कर रहे हैं। गाड़ी और ऑटो की टक्कर कैसे हुई ये तो साफ नहीं हो पाया। हालांकि, इस घटना पर स्थानीय पुलिस अधिकारी ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, अन्य छोटी-मोटी घटनाओं के तरह, इस घटना को भी मौके पर ही सुलझा लिया गया।

क्रिस गेल के इस रिकॉर्ड पर विराट कोहली की नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। 6 फरवरी से भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का आगाज होने जा रहा है। जिसके लिए टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली 6 महीने बाद वनडे फॉर्मेट में वापसी करेंगे। टेस्ट क्रिकेट में ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंदों पर लगातार आउट हो रहे कोहली को वनडे में भी यही समस्या का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में कोहली के पास आलोचकों को बल्ले से जवाब देने का बेहतरीन मौका है। विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में 1340 रन बनाए हैं, अगर वह आगामी वनडे सीरीज में 293 रन बना लेते हैं तो वह इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। विराट कोहली वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल को भी पीछे छोड़ देंगे। वहीं भारत के पूर्व कप्तान अगर इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 195 रन बनाने में कामयाब होते हैं तो वह भारत वर्सेस इंग्लैंड वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। एमएस धोनी के नाम ये रिकॉर्ड दर्ज है, उन्होंने 1546 रन बनाए हैं। विराट कोहली ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में 13 साल बाद वापसी की थी और मैच भी खेला। हालांकि, वह रेलवे के खिलाफ मुकाबले में कुछ कमाल नहीं दिखा सके। वह पहली पारी में केवल 15 गेंद खेलकर 6 रन बनाने के बाद आउट हो गए थे। चैंपियंस ट्रॉफी से पूर्व भारत को इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैच की वनडे सीरीज खेलनी है।

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं पैट कमिंस का, हेड कोच ने दे दिए संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस 19 फरवरी से शुरू होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कमिंस की फिटनेस को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। पैट कमिंस के बाहर होने पर स्टीव स्मिथ या ट्रेविस हेड को टीम की कमान सौंपी जा सकती है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिचेल मार्श पीठ में तकलीफ के कारण अगले महीने होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे।

मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने सेन से कहा कि, पैट कमिंस किसी भी तरह की गेंदबाजी फिर से शुरू नहीं कर सके हैं। इसका मतलब है कि हमें नया कप्तान चाहिए होगा। स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड दो खिलाड़ी हैं, जिनसे हम बात कर रहे हैं। जबकि हम पैट के साथ मिलकर चैंपियंस ट्रॉफी टीम बना रहे हैं वे दो ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें हम नेतृत्व पद के लिए देखेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि, ये दोनों हैं। स्टीव ने यहां टेस्ट मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने वनडे क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए ये इन दोनों के बीच है। वहीं चोट के कारण मेलबर्न और सिडनी टेस्ट से बाहर रहे हेजलवुड श्रीलंका दौरे की टीम में नहीं हैं लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम का हिस्सा है। हालांकि, उनके भी टूर्नामेंट में खेलने पर सस्पेंस है। किसी भी टीम को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी अंतिम टीम की घोषणा 12 फरवरी तक करनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया की टीम- एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिश, मार्नस लाबुशेन, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, आरोन हार्डी, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, पैट कमिंस (कप्तान), नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क, एडम जाम्पा।

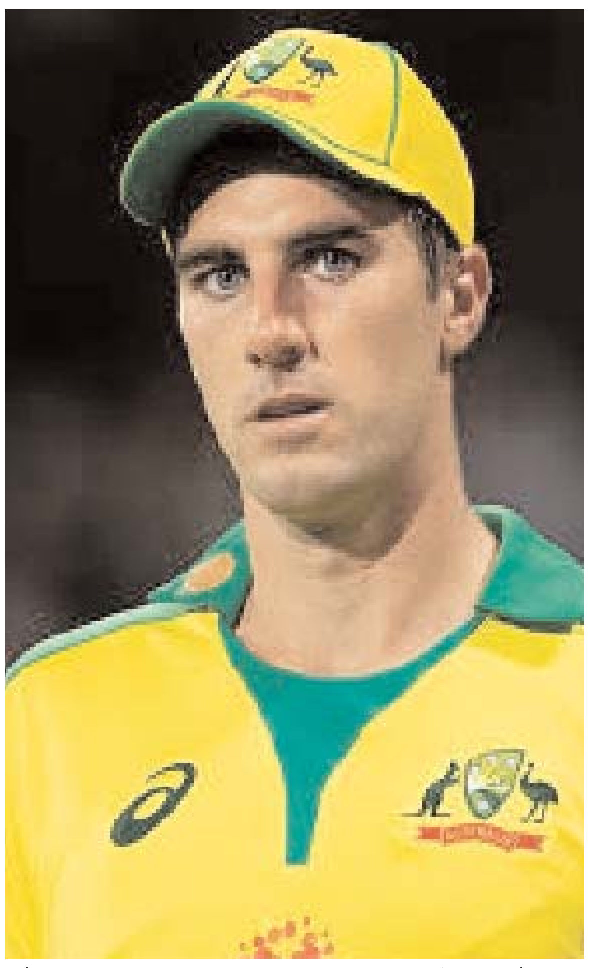

ओडीआई में इंग्लैंड के बल्लेबाज वरुण चक्रवर्ती के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करेंगे

खिलाड़ी केविन पीटरसन ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वरुण चक्रवर्ती को शामिल किए जाने को 'शानदार फैसला' करार दिया लेकिन साथ ही कहा कि मेहमान टीम लंबे प्रारूप में दाएं हाथ के स्पिनर के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करेगी। चक्रवर्ती ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैच की श्रृंखला में 14 विकेट चटकाए और भारत की 4-1 की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद उन्हें गुरुवार से नागपुर में शुरू हो रही श्रृंखला के लिए भारत की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया। पीटरसन ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से कहा, ''इंग्लैंड के बल्लेबाज एकदिवसीय में उनके (चक्रवर्ती के) खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करेंगे क्योंकि वे क्रीज पर अधिक समय बिता सकते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अंपायर्स का ऐलान, एक भी भारतीय शामिल नहीं,

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब से कुछ ही दिनों में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होने जा रहा है। इस मेगा इवेंट को लेकर एक तरफ सभी 8 टीमें जोरों शोरों से तैयारी कर रही है, तो दूसरी तरफ फैंस भी इंतजार में दिन गिन रहे हैं। वहीं आईसीसी भी इस मिनी वर्ल्ड कप को लेकर अपनी आखिरी तैयारी को पूरा करने में जुटा हुआ है। इसी कड़ी में आईसीसी ने बुधवार को इस टूर्नामेंट के लिए ऑफिसियल्स की घोषणा की है।

पाकिस्तान की मेजबानी में खेले जाने वाले चैंपियंस ट्रॉफी टीम इंडिया के लिए हाइब्रिड मॉडल के तहत खेला जाएगा। वहीं इस टूर्नामेंट के लिए मैच ऑफिसियल्स के नामों का ऐलान कर दिया गया है। 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी के लिए आईसीसी ने अंपायर्स और मैच रेफरी के नामों पर अंतिम मुहर लगा दी है। इसमें एक से एक अनुभवी और दिग्गज अंपायर को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आईसीसी ने श्रीलंका के दिग्गज अंपायर कुमार धर्मसेना को फिर से मौका दिया है। धर्मसेना आईसीसी के कई बड़े टूर्नामेंट्स में अंपायरिंग कर चुके हैं। धर्मसेना रिकॉर्ड वनडे मैचों में अंपायरिंग कर चुके हैं। रिचर्ड केटलबोरो भी लिस्ट में शामिल हैं। वे 108 मेंस वनडे मैचों में अंपायरिंग कर चुके हैं। लिस्ट में पाकिस्तान के अहसान रजा भी शामिल हैं। लेकिन इसमें एक भी भारतीय नहीं हैं।

अभिषेक शर्मा ने रैंकिंग में 38 पायदान की लगाई लंबी छलांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े में खेले गए पांचवें टी20 में शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 54 गेंदों में 7 चौके और 13 छक्कों की मदद से 135 रन स्कोर किए थे। इस पारी के बाद अभिषेक को आईसीसी टी20 रैंकिंग में काफी फायदा पहुंचा है। वह सीधा 38 पायदान की छलांग लगाकर दूसरे नंबर पर आ गए हैं। इससे पहले अभिषेक आईसीसी टी20 रैंकिंग में 40वें पायदान पर थे, लेकिन अब इंग्लैंड के खिलाफ ताबड़तोड़ पारी खेलने के बाद वह रैंकिंग में दूसरे पायदान पर आ गए हैं। अभिषेक ने 829 की रेटिंग हासिल कर ली है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड रैंकिंग में अव्वल नंबर पर मौजूद हैं। हेड के पास 855 की रेटिंग मौजूद है। बाएं हाथ के भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा रैंकिंग में तीसरे पायदान पर खिसक गए हैं। तिलक एक पायदान नीचे गए हैं। उनकी रेटिंग 803 है। फिर इंग्लैंड के फिल सॉल्ट चौथे और भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव पांचवें पायदान पर हैं।

सॉल्ट की रेटिंग 798 और सूर्या की 738 है।

बताते चलें कि मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पारी के जरिए अभिषेक ने टी20 इंटरनेशनल में भारत के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक और शतक लगाने का काम किया था। उन्होंने 17 गेंदों में अर्धशतक और 37 गेंदों में शतक पूरा किया था। मुकाबले में अभिषेक ने बल्ले के साथ-साथ गेंद से भी कमाल किया था। उन्होंने 1 ओवर में 2 विकेट भी चटकाए थे।

गौरतलब है मौजूदा वक्त में अभिषेक शर्मा भारत के लिए सिर्फ टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल रहे हैं। अभिषेक ने जुलाई, 2024 में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए मुकाबले के जरिए अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक 17 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल लिए हैं।

3 लाख रुपये तक बिका इंडिया-पाक मैच का टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। 19 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होने जा रहा है। वहीं इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फैंस भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को देखना खूब पसंद करते हैं। अक्सर इस मुकाबले मको फैंस टीवी पर देखने की बजाय स्टेडियम से देखने पर ज्यादा तरजीह देते हैं। इसी के चलते भारत और पाकिस्तान मैच की टिकट की कीमत बहुत ज्यादा हो जाती है। इस बार भी ऐसा ही हुआ। मुकाबले की टिकट करीब 3 लाख रुपये तक पहुंची।

बता दें कि, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान की मेजबानी में खेली जानी है, लेकिन टूर्नामेंट में टीम इंडिया अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला 23 फरवरी को खेला जाएगा। इस मैच को लेकर सामने आई जानकारी में बताया गया कि मुकाबले की टिकट की कीमत करीब 3 लाख रुपये तक गई। वेबसाइट पर छपी एक रिपोर्ट में बताया गया कि चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले मुकाबले की टिकट की सबसे कम कीमत 500 दिरहम करीब 11,870 भारतीय रुपये थी। वहीं मुकाबले के सबसे महंगे टिकट की कीमत 12,500 तक गई। बता दें कि, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत 19 फरवरी से होगी। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में खेला जाएगा। वहीं टीम इंडिया टूर्नामेंट में अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। बताते चलें कि टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल पाकिस्तान में होगा। वहीं फाइनल मुकाबला कहां होगा ये इस बात पर निर्भर करेगा कि टीम इंडिया फाइनल के लिए क्वालिफाई करती है या नहीं। अगर टीम इंडिया फाइनल में पहुंचती है, तो खिताबी मैच दुबई में होगा। वहीं टीम इंडिया के फाइनल में नहीं पहुंचने पर खिताबी मैच पाकिस्तान में होगा।

कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा की

अवैध खनिज परिवहन तथा अवैध शराब विक्री पर रोक के दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने खनिज, आबकारी, परिवहन तथा खाद्य सुरक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि अवैध खनिज परिवहन पर सख्ती बरतें तथा अवैध उत्खनन किसी भी स्थिति में न हो। उन्होंने कहा कि जवा क्षेत्र में टमस नदी से अवैध रेत उत्खनन की शिकायतें प्राप्त होती है। उस पर कार्यवाही करें तथा अवैध उत्खनन के प्रकरण बनाकर वाहनों की जप्ती करायें।

कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने अवैध शराब की विक्री पर रोक थाम के निर्देश देते हुए कहा कि टीम गठितकर शिकायत वाले क्षेत्रों में कार्यवाही करें। उन्होंने आरटीओ को निर्देशित किया कि बिना रजिस्टर्ड वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही करें तथा असुरक्षित बसों व अन्य वाहनों को हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित करायें। जिन वाहनों के बीमा नहीं हैं उनके विरूद्ध भी कार्यवाही की जाय। खाद्य सुरक्षा की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने प्रतिष्ठानों से नमूने लेने तथा अधिरोपित अर्थदण्ड की वसूली की कार्यवाही करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। उन्होंने रेगुलेटरी सेंपल लेने तथा सर्विलांस सेंपल को बढ़ाने की बात कही। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिये कि खाद्य सुरक्षा में की गयी कार्यवाही की सतत मानीटरिंग करें। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि किये गये कार्यवाही को आगामी तीन दिवस में रिपोर्ट प्रस्तुत करें तथा लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करायें। बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता के लंबित आवेदन 15 फरवरी तक दर्ज कराएं

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के लंबित छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता के आवेदन 15 फरवरी तक दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने सभी शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालय के डीन, प्राचार्य और नोडल अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के छात्रों के वर्ष 2021-22, 2022-23 एवं 2023-24 के छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता के ऑनलाइन आवेदन के लिए एमपी टॉस पोर्टल 31 जनवरी 2025 तक खोला गया था, जिसे आगामी 15 फरवरी तक के लिए पुन: खोलकर अंतिम अवसर दिया गया है। जिन विद्यार्थियों के ऑनलाइन आवेदन छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता के लिए लंबित हैं उनके आवेदन निर्धारित अवधि तक पोर्टल में अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। इसके साथ ही वर्ष 2024-25 के नवीनीकरण व नवीन छात्रों के आवेदन कराकर नोडल अधिकारी के माध्यम से सत्यापित कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा है कि यदि कोई विद्यार्थी छात्रवृत्ति तथा आवास सहायता के लाभ से वंचित रहता अथवा इस संबंध में सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराता है तो इसकी सम्पूर्ण जवाबदारी संबंधित संस्था प्रमुख एवं नोडल प्रभारी की होगी और उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

स्कूलों में प्रवेश की प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाया जाए

ग्राहक पंचायत ने जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत रीवा के जिला सचिव डॉ व्योमकेश शुक्ल ने बताया कि प्राइवेट स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी सुदामा प्रसाद गुप्ता को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें मांग की गई कि जिले में कई प्राइवेट स्कूल ऐसे हैं जिनमें प्रवेश प्रक्रिया और प्रवेश शुल्क का कोई निर्धारित मापदंड ही नहीं है। कहीं फरवरी कहीं दिसम्बर तो कुछ में अक्टूबर माह में ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाती है और सीटों की वास्तविक स्थिति को गोपनीय रखा जाता है जिससे अभिभावक दबाव बस मुंह मांगी फीस/प्रवेश शुल्क देने को मजबूर हो जाता है। कई में शाला विकास/भवन के नाम पर पैसा लिया जाता है, साथ ही कई प्राइवेट विद्यालय ऐसे हैं जो एक ही विद्यालय में छात्र के प्रमोशन की स्थिति में भी दुबारा प्रवेश शुल्क लेते हैं जो कि अनुचित है ।

ऐसे में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने ज्ञापन के माध्यम से जिला प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग से मांग की है कि सभी प्राइवेट स्कूलों में नवीन छात्रों का प्रवेश प्रत्येक वर्ष एक निश्चित समय जनवरी-फरवरी माह में ही शुरू करने और प्रवेश प्रक्रिया के दौरान सीटों की वास्तविक स्थिति उस दिवस को डैशबोर्ड में प्रदर्शित करने हेतु सभी विद्यालयों को निर्देशित किया जाय। जिससे प्राइवेट स्कूलों में सीटों की कमी के नाम पे अभिभावकों से अवैध वसूली बंद हो और जिन स्कूलों में प्रमोशन की स्थिति में पुराने छात्रों से दुबारा प्रवेश शुल्क लिया जा रहा है ऐसे स्कूलों पर दण्डात्मक कार्यवाही करने का नोटिस जारी करें । ग्राहक पंचायत ने मांग की है कि प्रवेश प्रक्रिया में निष्पक्षता और शिकायत के लिए छात्र एवं अभिभावकों हेतु हेल्पलाइन नंबर शुरू किया जाय। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्री जगदीश कुमार मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, जिला सह सचिव सुरेश राय, महिला आयाम प्रमुख राजश्री सिंह एवं जिला कोषाध्यक्ष अधिवक्ता वेदप्रकाश वर्मा उपस्थित रहे।

निक्षय अभियान के तहत बंदियों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में निक्षय शिविर अभियान तहत केन्द्रीय जेल रीवा में बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस संबंध में जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि निक्षय अभियान के तहत जेल के बंदियों की टीबी जांच के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें हैंडहेल्ड एक्सरे तथा एनएएटी का उपयोग करके 209 बंदियों की टीबी की जांच की गई। बंदियों में टीबी की संभावना न हो इसके लिए उनकी सीवायटीवी, आईजीआरए जांच भी करवाई गई। जांच में टीबी से संक्रमित पाए जाने वाले कैदी का उपचार भी कराया जाएगा। शिविर को सफल बनाने में उप जेल अधीक्षक संजीव कुमार गेंदले, उप जेल अधीक्षक योगेश परमार, सहायक जेल अधीक्षक श्याम सिंह कुशवाह, वरिष्ठ जेल चिकित्सक पियूष निगम, मेडिकल आफीसर डॉ पिंकी सिंह उपस्थित रहे। फार्मासिस्ट विवेक मौर्य, लैब टेक्नीशियन प्रियंका धाकड़, सुनील मिश्रा, बद्री प्रताप सिंह, लवकुश वर्मा, कुलदीप पटेल, कमलेश सिंह, जिशान खान, नेहा भुजवा, मोहम्मद अजहर तथा विनय साकेत का विशेष योगदान रहा।

पत्नी को ढूंढने छतरपुर से रीवा पहुंचा था ससुर

महिला थाने के बाहर दामाद-ससुर में मारपीट, दोनों पक्षों ने की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में महिला थाने के बाहर एक ससुर और दामाद के बीच बुधवार को जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में दामाद ने ससुर के पैर पर पत्थर से वार कर दिया, जबकि ससुर ने दामाद की उंगली काट ली। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई है। छतरपुर निवासी प्रेमचंद्र निवास ने बताया कि उनकी पत्नी रीवा में अपनी बेटी और दामाद के घर चली गई थी। उन्होंने फोन पर पत्नी से वापस आने के लिए कहा, लेकिन पत्नी ने उन्हें रीवा बुला लिया। रीवा पहुंचने पर पत्नी का फोन बंद आने लगा।

प्रेमचंद्र ने बताया कि जब उनकी पत्नी ने फोन नहीं उठाया तो वह दामाद के घर गए और पत्नी को वापस बुलाने लगे। जब किसी ने दरवाजा नहीं खोला तो उन्होंने दरवाजे पर पत्थर मार दिया, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।

दामाद ने ससुर पर लगाया डकैती का आरोप: दामाद मुकेश कुमार साकेत ने आरोप लगाया कि उनके ससुर दीवार फांदकर घर में घुसे और दरवाजा तोड़कर डकैती करने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि ससुर ने उनके साथ मारपीट भी की और महिला थाने के सामने उनकी उंगली काट ली। मुकेश ने बताया कि उन्होंने रात की घटना को लेकर बिछिया थाने में शिकायत दर्ज कराई थी और अब सिविल लाइन थाने में भी शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी: सिविल लाइन थाना प्रभारी कमलेश साहू ने बताया कि दोनों पक्षों से शिकायती आवेदन मिले हैं। दोनों पक्षों को सुना जा रहा है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए आयोजित किए जा रहे हैं विशेष शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिले इसके लिए फार्मर रजिस्ट्री बनाने का कार्य जारी है। इसके बन जाने से किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ आसानी से मिल सकेगा। फार्मर रजिस्ट्री के बनने से किसानों को खरीदी केन्द्रों में पंजीयन, किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना सहित सत्यापन में आसानी होगी। किसान भाई वेबसाइट एग्रीस्टैक डॉट जीओभी डॉट इन का प्रयोग कर फार्मर रजिस्ट्री बना सकते हैं। इसके अलावा गिरदावरी के लिए चिन्हित किए गए स्थानीय युवा, पटवारी एवं सीएससी केन्द्रों में भी फार्मर रजिस्ट्री बनवाई जा सकती है। फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए 15 फरवरी तक राजस्व विभाग द्वारा स्थानीय स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सभी किसान इन शिविरों में पहुंचकर फार्मर आईडी तथा आधार आरओआर का भी कार्य करवा सकते हैं। जिन किसानों की फार्मर आईडी नहीं बन पाएगी वे आगामी पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त से वंचित हो सकते हैं। फार्मर आईडी के बिना उपार्जन के लिए पंजीयन, फसल बीमा एवं अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाएगा।

भाजपा नेता गौरव तिवारी ने पर्यावरण मंत्री से विंध्य अंचल में पर्यावरण संरक्षण पर की चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री गौरव तिवारी ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की और विंध्य अंचल में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। गौरव तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हाल ही में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत देशभर में वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया गया, जिससे हरित भारत की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है। उन्होंने आग्रह किया कि रीवा के प्राकृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों जैसे गोविंदगढ़ किला, बहुती जलप्रपात और क्योटी जलप्रपात को पर्यावरणीय दृष्टि से संरक्षित किया जाए और ईको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाए, जिससे न केवल पर्यावरण सुरक्षित रहेगा बल्कि स्थानीय समुदायों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। ज्ञापन में विंध्य के पर्यटन स्थलों को प्लास्टिक मुक्त बनाने की मांग की गयी है ताकि प्राकृतिक संतुलन बना रहे। इसके अलावा रीवा शहर में हरित क्षेत्र का विस्तार जाने, अधिक से अधिक पार्कों, बगीचों और शहरी वनों को विकसित करने, सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित देने, रीवा संभाग में संचालित सीमेंट एवं अन्य उद्योगों से होने वाले प्रदूषण की सख्त निगरानी रखने की मांग की गयी है।

ज्ञापन में हरित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए उद्यमियों को रीवा में निवेश के लिए आमंत्रित करने का विशेष अनुरोध किया है। रीवा के ऐतिहासिक तालाबों का संरक्षण और पुनर्निर्माण की मांग भी लम्बे समय से की जा रही है जिसकी ओर माननीय मंत्री भूपेंद्र यादव का ध्यान आकृष्ट कराया गया है। अन्य मांगों में रीवा क्षेत्र में एक विशेष ऑक्सीजन बैंक का निर्माण, टोंस और बीहर जैसी प्रमुख नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए वृक्षारोपण और सड़क निर्माण और अन्य संरचनात्मक विकास कार्यों के कारण हुई वृक्षों की कटाई की भरपाई के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण आदि बिंदु शामिल हैं।

गौरव तिवारी ने मंत्री भूपेंद्र यादव से अनुरोध किया कि इन सभी विषयों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर आवश्यक कदम उठाने हेतु निर्देश जारी किए जाएं, जिससे विंध्य अंचल का सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके।

निजी विद्यालय में छात्रा के साथ मारपीट का आरोप

जाति वादी भेदभाव कर टीसी देकर स्कूल से निकालने दी जा रही धमकी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र में संचालित बिट्स एंड बाइट प्रायवेट विद्यालय के ऊपर छात्रा के साथ अभद्रता व मारपीट किए जाने के आरोप लगे हैं जिसके बाद छात्रा के परिवारजनों ने महिला थाने में घटना की शिकायत दर्ज कराई है।

बताया जा रहा है कि कक्षा 10 में पढ़ने वाली छात्रा के साथ स्कूल के शिक्षकों द्वारा मारपीट की गई है जिससे आक्रोशित परिजनों ने पहले तो विद्यालय प्रबंधन से बातचीत की परन्तु जब वहां कोई सुनवाई नहीं हुई तो विद्यालय के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

आरोप है कि कक्षा 10 में पढ़ने वाली छात्रा के 2 और भाई बहन इसी विद्यालय में पढ़ाई करते हैं तथा विद्यालय के शिक्षकों द्वारा उससे और उसके भाई बहन के साथ जातिवादी भेदभाव किया जाता है और जब शिकायत करने प्रिंसिपल के पास जाते हैं तो वह टीसी हाथ में थमाने की धमकी देते हैं।

छात्रा की मां ने बताया कि जातिवादी भेदभाव के साथ ही आए दिन विद्यालय के शिक्षक उनके तीनों बच्चों को परेशान करते हैं जिससे वह काफी परेशान हैं और बच्चों को पढ़ाई में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं इस मामले में विद्यालय के प्राचार्य का कहना है कि जिस बच्ची ने यह आरोप लगाए हैं वह अनुशासन के साथ विद्यालय नहीं आती है जिसके कारण सामान्य तौर पर शिक्षक के द्वारा उसे अनुशासन का पालन करने के लिए कहा गया था तथा यह जो आरोप लगाए गए हैं सब निराधार हैं।

जल शोधन संयंत्र में छात्रों ने समझी स्वच्छ जल की उपयोगिता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग अन्तर्गत मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा मउगंज में जल प्रदाय परियोजना का कार्य किया गया। नागरिकों को कम्पनी द्वारा जल संरक्षण और स्वच्छ जल का महत्व बताने के लिए समय समय पर प्रयास किए जा रहे है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुवगवां में छात्रों को जल शोधन संयंत्र का भ्रमण कराया गया। छात्रों को नल से जल की उपयोगिता व स्वच्छ जल की महत्ता भी समझाई गई। कार्यक्रम का समन्वय सामुदायिक विकास अधिकारी शैलेष तिवारी और उपयंत्री अनिमेष श्रीवास्तव ने किया।

उप मुख्यमंत्री आज सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल में पेसमेकर क्लीनिक का करेंगे शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन से 6 फरवरी को प्रातः 8 बजे रीवा आएंगे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल प्रातः 11 बजे सर्किट हाउस में आमजनों से भेंट करेंगे। उप मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल में पेसमेकर क्लीनिक का शुभारंभ करेंगे तथा दोपहर 12.30 बजे सतना के लिए प्रस्थान करेंगे। उप मुख्यमंत्री सतना में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शाम 4 बजे वापस रीवा आएंगे तथा सर्किट हाउस में विद्युत मण्डल द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करेंगे। उप मुख्यमंत्री सर्किट हाउस में ही शाम 5 बजे जिला पंचायत द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करेंगे।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की उप मुख्यमंत्री ने समीक्षा की

चिकित्सकीय मैनपावर भर्ती प्रक्रिया समय पर पूर्ण करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि सरकार प्रदेश के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने मंत्रालय में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने चिकित्सकीय स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति, अधोसंरचनात्मक विकास कार्य, मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं और प्रदेश के स्वास्थ्य मानकों में सुधार के लिए उठाए जा रहे कदमों पर विस्तृत समीक्षा कर दिशा निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि चिकित्सक एवं सहायक चिकित्सकीय स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष तक प्रदेश के 50 प्रतिशत सीएचसी को एफआरयू में उन्नयन किया जाना है। इसके लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने अधोसंरचनात्मक विकास कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा के लिए विशेष निगरानी तंत्र स्थापित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग से परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जिन जिलों में स्वास्थ्य मानकों की स्थिति ठीक नहीं है, वहां स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति सुधारने के लिए कारकों का गहन विश्लेषण किया जाए और विशेष प्रयास किए जाएं। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि 9 और 25 तारीख़ को आयोजित होने वाले एएनसी जांच दिवस के प्रति व्यापक जागरूकता का प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक गर्भवती महिलाएं इसका लाभ उठा सकें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि गर्भवती महिलाओं की गर्भधारण से लेकर प्रसव पूर्व सभी अनिवार्य जांचों को सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि समय पर सभी आवश्यक जांचें न केवल सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करेंगी बल्कि शिशु मृत्यु दर (क्ष्ण्ड) और मातृ मृत्यु दर (ग्ण्ड) में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि हाई रिस्क प्रेग्नेंसी का समय पर चिन्हांकन कर आवश्यक चिकित्सा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके लिए स्वास्थ्य केंद्रों में विशेष निगरानी प्रणाली लागू की जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि शिशु और मातृ मृत्यु दर में सुधार के लिए फोकस्ड एप्रोच अपनाई जाए। जिन जिलों में स्वास्थ्य मानको की स्थिति ठीक नहीं है वहाँ कारकों को चिन्हांकित करके विशेष प्रयास किये जायें। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इन जिलों में नियमित दौरा कर जमीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, आयुक्त तरुण राठी, संचालक प्रवीण सिंह अढ़ायच, मिशन संचालक एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना, संचालक दिनेश श्रीवास्तव सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गोदामों में भण्डारित स्कंध के भौतिक सत्यापन के लिए अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की गोदामों में भण्डारित स्कंध के भौतिक सत्यापन के लिए अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। कलेक्टर प्रतिभा पाल द्वारा नियुक्त किए गए अधिकारी समर्थन मूल्य एवं प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत उपार्जित स्कंध तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत सामग्री का भौतिक सत्यापन करेंगे। एमपी डब्ल्यूसीएल रीवा गोदाम के लिए यतीश शुक्ला नायब तहसीलदार, सुभाष द्विवेदी सहायक आपूर्ति अधिकारी एवं केन्द्र प्रभारी को, एमपी डब्ल्यूसीएल क्योटी के लिए रमाकांत तिवारी नायब तहसीलदार, सुभाष द्विवेदी एवं केन्द्र प्रभारी भेड़रहा को तथा एमपी डब्ल्यूसीएल भेड़रहा के लिए मनोज शुक्ला नायब तहसीलदार, वंदना जैन कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी व केन्द्र प्रभारी को जाँच दल में शामिल किया गया है।

इसी प्रकार एमपी डब्ल्यूसीएल घूमा के लिए तहसीलदार नीलेश कुमार सिंह, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी विनीत मिश्रा व केन्द्र प्रभारी चाकघाट को तथा एमपी डब्ल्यूसीएल चाकघाट के लिए नायब तहसीलदार प्रकाश उपाध्याय, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी विनीत मिश्रा व केन्द्र प्रभारी चाकघाट को जाँच दल में शामिल किया गया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।